CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 136 ता. 22 नवम्बर 2021,सोमवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

MSP गारंटी के लिए यूपी में भाजपा को घेरेंगे किसान

फिलहाल वापस नहीं होगा आंदोलन; लखनऊ में आज महापंचायत, 29 से संसद कूच भी

नई दिल्ली। किसान आंदोलन की अगुआई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि खेती कानून वापस लिए जाने के बावजूद उनका आंदोलन जारी रहेगा। यही नहीं, संयुक्त किसान मोर्चा ने 22 नवंबर को यूपी के लखनऊ में महापंचायत भी बुला ली है। इसमें सभी किसान नेता पहुंचेंगे। शनिवार को सिंघु बॉर्डर पर बैठक करने वाली पंजाब की 32 किसान यूनियनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के इस फैसले का समर्थन किया है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 29 नवंबर से 500-500 किसानों के जत्थे ट्रैक्टरों पर संसद की तरफ कूच करेंगे। स्यरू नेता जगजीत सिंह राय ने कहा कि किसान नेताओं की तैयारियां जारी हैं और मोर्चा के सभी पूर्व घोषित कार्यक्रम जारी रहेंगे। राय ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने किसानों की बाकी मांगें भी नहीं मानी तो यूपी में भाजपा की घेराबंदी की जाएगी।

शनिवार दोपहर सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के 32 किसान संगठनों की अहम बैठक हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि सभी किसान जत्थेबंदियां संयुक्त किसान मोर्चा के साथ हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत दूसरी मांगें पूरी कराने के लिए आंदोलन को आगे कैसे बढ़ाया जाना है, इसकी पूरी रणनीति रविवार को होने वाली संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग में बनाई जाएगी और इसमें पंजाब की 32 किसान यूनियनों के नेता भी शामिल होंगे।

इससे पहले शनिवार दोपहर में पंजाब की सभी 32 यूनियनों ने अपनी अलग बैठक की। इसमें स्स्क की मांग को प्रमुखता से केंद्र सरकार के आगे रखने का फैसला लिया गया। मांगों को लेकर सरकार के समक्ष अपना पक्ष किस ढंग से रखना है?, MSP को बिल के तौर लाने और बिजली संशोधन बिल को समाप्त करने की मांग के लिए आगे आंदोलन को किस तरह चलाया जाए? इस पर किसान नेताओं ने मंथन किया।

संघर्ष जारी रखने का ऐलान कर चुका है मोर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से कृषि कानूनों को रद्द करने का ऐलान किया गया है। मगर किसान नेताओं का कहना है कि इसके साथ उनकी दो और मांगें थीं। MSP को कानून के रूप में लेकर आना और बिजली संशोधन एक्ट को रद्द करना। जब तक उनकी यह दोनों मांगें नहीं मानी जाएंगी, वे तब तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे। किसान नेताओं ने तो यहां तक कहा है कि उन्हें प्रधानमंत्री पर यकीन नहीं है, इसलिए जब तक संसद में यह बिल रद्द नहीं कर दिए जाते, तब तक वह दिल्ली के बॉर्डर से हटेंगे नहीं।

14 महीने से चल रहा संघर्ष, 1 साल से बॉर्डर पर किसान

कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का संघर्ष 14 माह से चल रहा है। किसान 1 साल से दिल्ली के बॉर्डर पर बैठे हुए हैं। अब जब उत्तर प्रदेश और पंजाब में विधानसभा चुनाव हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से बड़ा फैसला लिया गया है। मगर इसके बावजूद किसान यहां से हटने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के फैसले के बाद भी हालात बदले नहीं है और भाजपा नेताओं को चिंता सताए जा रही है।

वायु प्रदूषण से निपटने को दिल्ली सरकार ने उठाया बड़ा कदम, मेट्रो ट्रेनों और बसों में खड़े होकर यात्रा की दी अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने राजधानी में वायु प्रदूषण के मौजूदा हालात के मद्देनजर मेट्रो ट्रेनों और बसों में यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति दे दी, ताकि अधिक से अधिक लोग निजी वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल कर सकें।

डीडीएमए ने एक आदेश में कहा गया है कि मेट्रो ट्रेन के प्रत्येक कोच में 30 यात्रियों को खड़े रहने की अनुमति होगी, जबकि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में कुल सीटों की संख्या के 50 फीसदी के बराबर यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति होगी। कोविड-19 के मद्देनजर अभी तक मेट्रो ट्रेनों और बसों में सिर्फ उतने ही यात्रियों को सवार होने की अनुमति थी, जितनी उनमें सीटें हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार को बेहद खराब3 दर्ज किया गया और यह 374 था।

आदेश में कहा गया है कि दिल्ली मेट्रो में 30 खड़े यात्रियों के साथ कोच की 100 प्रतिशत सीटों पर बैठने की अनुमति दी जाएगी। डीटीसी व क्लस्टर बसों में 100 फीसदी बैठने की क्षमता के साथ 50 फीसदी यात्रियों को खड़ा होकर यात्रा करने की अनुमति होगी। डीडीएमए के आदेश के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली (बसों/दिल्ली मेट्रो) की वहन क्षमता को बढ़ाने की जरूरत महसूस की गई है ताकि आसपास की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निजी वाहनों के उपयोग को कम किया जा सके।

बता दें कि, इस सप्ताह की शुरुआत में परिवहन विभाग ने डीडीएमए को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें सार्वजनिक परिवहन में खड़े यात्रियों के लिए अनुमति मांगी गई थी।

कलराज मिश्र बोले

किसान आंदोलित थे, इसलिए वापस लिया; दोबारा बन सकता है कृषि कानून

भदोही। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने उत्तर प्रदेश के भदोही में कृषि कानूनों की वापसी के एलान के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार कृषि कानूनों को फिर से लागू कर सकती है। राज्यपाल मिश्र ने तीन कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा को सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम बताया है। मिश्र ने कहा कि सरकार ने किसानों को कानूनों के फायदे समझाने की कोशिश की, लेकिन वे निरस्त करने पर अड़े रहे। ये कानून किसानों के हित में बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने महसूस किया कि इसे वापस ले लिया जाना चाहिए। अभी समय अनुकूल नहीं है इसलिए यह बिल दोबारा आ सकता है। कलराज मिश्र ने भदोही में मीडिया से बात करते हुए कहा कि किसान आंदोलन कर रहे थे। कृषि कानून वापस लेने की मांग कर रहे थे। सरकार ने कानून वापस लेने का एलान कर दिया है।

कानून बनते और बिगड़ते रहते हैं- साक्षी महाराज

इससे पहले सांसद साक्षी महाराज कृषि कानूनों को वापस लेने के सवाल पर कहा कि कानून तो आते-जाते रहते हैं। बनते व बिगड़ते रहते हैं। किसान नेता राकेश टिकैत के आंदोलन समाप्त न करने के सवाल पर साक्षी महाराज ने कहा कि राकेश टिकैत हो या कोई और इनके कुछ भी कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। देश को मोदी पर भरोसा है। किसानों को मोदी पर भरोसा है। हमें मोदी पर भरोसा है। मोदी जो करेंगे राष्ट्रहित में करेंगे।

साक्षी महाराज ने कहा कि हिंदुस्तान की राजनीति ने जिनको नकार दिया है, उन राजनीति के पप्पू राहुल गांधी या प्रियंका गांधी का नाम नाम लेने का कोई औचित्य ही नहीं है। किसी में ताकत है तो 2022 सामने है चुनावी युद्ध के मैदान में आएं और लड़ें। अखिलेश यादव तो खिसियानी बिल्ली की तरह खंभा नोच रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर से अधिक जहरीली है अहमदाबाद की हवा, फरीदाबाद, आनंद विहार और लोनी में भी हालत खराब

नई दिल्ली। दिल्ली और इसके आसपास सटे दूसरे राज्यों के कई इलाकों में हवा में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ा हुआ है। दिवाली के बाद से इसमें जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। इतना ही नहीं दिन चढ़ने के साथ ही हवा का स्तर और अधिक खराब रिकार्ड किया जा रहा है। इसकी एक वजह समय के साथ सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों की संख्या और इससे निकलने वाला जहरीला धुंआ भी है। साथ ही दूसरी बड़ी वजह हवा की रफ्तार भी है। हवा न चलने की वजह से हमारे वातावरण में बेहद निचले स्तर पर जहरीले धुंए की जो मोटी परत बन जाती है वो उड़ नहीं पाती है। इसकी वजह से भी समस्या बनी रहती है। गुजरात के अहमदाबाद में रविवार सुबह 8 बजे एक्यूआई का स्तर 834 रिकार्ड किया गया है।

दिल्ली के इलाकों हाल

बहरहाल, आपको बता दें कि aqicn.org के ताजा आंकड़ों के मुताबिक रविवार सुबह आठ बजे दिल्ली-एनसीआर के राज्यों के इलाकों के वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर रिकार्ड किया गया है। इस तरह के एक नहीं बल्कि करीब दर्जन भर इलाके हैं। इनके अलावा दूसरी जगहों पर भी हवा साफ नहीं है, बल्कि बेहद खराब स्तर पर रिकार्ड की गई है। सुबह आठ बजे दिल्ली के नरेला में एक्यूआई का स्तर 341, बवाना में 404, मुंडका में 387, रोहिणी में 350, पंजाबी बाग में 306,जहांगीरपुरी में 371, झिलमिल में 333, आनंद विहार में 395, द्वारका में 340, आरकेपुरम में 356, शूटिंग रेंज में 327, ओखला में 328, मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम के पास 338, अमेरिकी दूतावास के पास 348, नजफगढ़ में 283 रिकार्ड किया गया है।

यूपी और हरियाणा का हाल

इसी तरह से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी इलाके में 302, वसुंधरा में 458, मुजफ्फरनगर में 260, बुलंदशहर में 239, बागपत में 278, ग्रेटर नोयडा में 226, संजय नगर गाजियाबाद में 203, गंगा नगर, मेरठ में 260, आनंद विहार, हापुड़ में 218, हरियाणा के फरीदाबाद में 506, गुरुग्राम में 290, मानेसर में 255, बहादुरगढ़ में 249, चरखी दादरी में 280 रिकार्ड किया गया है।

अश्विनी कुमार चौबे ने गुरुग्राम में भारतीय खाद्य निगम की पहली अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने खाद्यान्न के नमूनों के घरेलू परीक्षण के लिए अपनी पहली अत्याधुनिक प्रयोगशाला तैयार की है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे ने आज गुरुग्राम (हरियाणा) में खाद्य सुरक्षा संस्थान (आई.एफ.एस.), एफसीआई में गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। श्री चौबे ने फोर्टिफिकेशन ऑफ राइस पर एक लघु फिल्म की शुरुआत की और ब्रस्टिंग मिथ, रेडियो जिंगल्स, तथा सोशल मीडिया कोलेटरल ऑन राइस फोर्टिफिकेशन पर लघु फिल्में भी लॉन्च कीं। डीएफपीडी आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रतिष्ठित सप्ताह मना रहा है, जो 15 नवंबर 2021 को शुरू हुआ और 21 नवंबर 2021 को समाप्त होगा। इस बीच, देश के सभी हिस्सों में डीएफपीडी द्वारा कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

श्री चौबे ने संस्थान में एफसीआई के कर्मचारियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं स्वस्थ अनाज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने डीएफपीडी और इसके तहत आने वाले सभी संगठनों, जैसे एफसीआई, सीडब्ल्यूसी, आईजीएमआरआई, डब्ल्यूडीआरए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान तथा अन्य के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने आज़ादी का अमृत महोत्सव के प्रतिष्ठित सप्ताह के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

श्री चौबे ने यह भी कहा कि ये आयोजन लोगों तक पहुंचने और केंद्र सरकार के दृष्टिकोण तथा अच्छे कार्यों को उन तक पहुंचाने में कारगर होंगे। उन्होंने सुरक्षित एवं स्वस्थ भोजन करने के महत्व के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और स्वस्थ राष्ट्र की दिशा में काम करने के लिए एफसीआई के सभी समावेशी दृष्टिकोण की सराहना की।

पेड़ काटने के आदेश में गोपनीयता बरतना सुशासन के खिलाफ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पेड़ों की कटाई के लिए वैधानिक मंजूरी में गोपनीयता का 'आवरण' डालने से जवाबदेही की कमी आएगी। ऐसा पर्यावरण नियमों के विपरीत है, जबकि पारदर्शिता, सुशासन के लिए जरूरी है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा, पेड़ों को काटने की अनुमति सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध होनी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ित व्यक्तियों को इसे चुनौती देने का अधिकार है।

पीठ ने यह भी कहा कि गोपनीयता का पर्दा पर्यावरण मंजूरी के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि यह कानूनी उपायों का उपयोग करके नागरिकों से चुनौती देने का अधिकार छीन लेता है। पीठ ने कहा है कि पारदर्शिता की कमी से जवाबदेही में कमी आती है।

इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-72ए की सड़क के हिस्सों के लिए इस साल 27 अगस्त को वन अधिकारी द्वारा पेड़ों को काटने की दी गई अनुमति पर 26 नवंबर तक के लिए रोक लगा दी है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पेड़ों की कटाई पर रोक की मांग करने वाले एनजीओ 'सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून' को अब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाने को कहा, जिससे एनजीटी एक तर्कपूर्ण आदेश पारित कर सके।

जिस अधिकारी ने दी अनुमति उसी ने आरटीआई में झूठी सूचना दी

याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत के सामने दलील दी थी कि केंद्र सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा पेड़ों की कटाई की अनुमति की सूचना सार्वजनिक नहीं की गई थी। कोर्ट को यह भी बताया गया कि देहरादून के जिला वन अधिकारी ने 11 अक्तूबर 2021 को आरटीआई के तहत मांगी जानकारी में गलत सूचना दी कि पेड़ों की कटाई की कोई अनुमति नहीं दी गई है जबकि उन्हीं ने 27 अगस्त को इसके लिए आदेश पारित किया था।

एनजीटी ने याचिका खारिज करने में गलती की

अदालत ने माना कि एनजीटी ने स्टेज- टू की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करने में गलती की थी क्योंकि ट्रिब्यूनल के समक्ष मामला लंबित होने के समय पेड़ों की कटाई की अनुमति देने का आदेश पारित हो चुका था। इस जानकारी को न तो रिकॉर्ड पर रखा गया था और न ही इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था।

भारी बारिश की वजह से चेन्नई के हाल बेहद खराब, फिर पानी की किल्लत से जूझ रहे लोग

चेन्नई। चेन्नई में भारी बारिश के चलते हालात काफी खराब हो चुके हैं। कई घरों में गंदा पानी घुस गया है और कई चीजों की किल्लत महसूस की जाने लगी है। गर्मियों में भी चेन्नई में बारिश की वजह से हालात काफी खराब हो गए थे। बता दें कि साल दर साल बारिश की वजह से यहां पर एक जैसे ही हालात देखे जा रहे हैं। पानी की किल्लत की वजह से कई जगहों पर पानी के लिए मारा-मारी और पानी लेने के लिए अपने रंग-बिरंगे बर्तनों के साथ लाइनों में खड़ी औरतें देखी गई थीं। अब भी हालात काफी कुछ वही होते जा रहे हैं। लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

सुधरनी, जो कि एक साफ्टवेयर प्रोफेशनल हैं और एक एमएनसी में काम करती हैं ने एआईएनएस को बताया कि वो टीनगर में रहती हैं और ओएमआर में काम करती हैं। बीते एक सप्ताह से उनका परिवार पानी की समस्या से जूझ रहा है। जबरदस्त बारिश के बाद सीवर का गंदा पानी घर में घुसने से हालात और अधिक खराब हो गए हैं। वहीं पानी के अलावा बिजली भी एक बड़ी समस्या बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि खराब प्लानिंग और कांट्रेक्टर-ब्यूरोक्रेट्स के गठजोड़ ने समस्याओं को और अधिक गंभीर बना दिया है। उन्होंने ये भी बताया कि जिस

तरह से पानी की अब समस्या दिखाई दे रही है, वैसी ही समस्या गर्मियों में भी दिखाई दी थी और पानी के नलों के पास लंबी लाइनें लग गई थीं। पानी के लिए कोई बाल्टी तो कोई घड़ा या दूसरा बर्तन लेकर इधर-उधर भटकता दिखाई दे रहा था। वर्ष 2015 में तो हालात बेहद खराब थे। उस वक्त बारिश और बाढ़ की वजह से 400 से अधिक लोगों की जान तक चली गई थी। कई मकान ध्वस्त हो गए थे और सैकड़ों गाड़ियां पानी में डूब गई थीं। उस वक्त चेन्नई की पानी में डूबी सड़कों पर आने जाने के लिए नावों का इस्तेमाल किया जा रहा था। हालांकि, उस दिल दहला देने वाले मंजर के बाद भी हमारे नेताओं और सरकारों ने कुछ सबक नहीं लिया।

बदलते मौसम और धरती के गर्म होते तापमान की वजह से लगातार मौसमी बदलाव देखे जा रहे हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठने वाले चक्रवाती तूफानों की वजह से हालात खराब हो रहे हैं। चेन्नई की अधिकतर सड़कें बाढ़ और बारिश की वजह से खराब हो चुकी हैं। प्लानिंग कमीशन ने यहां के ड्रेनेज सिस्टम को दोबारा बनाने की सलाह दी है जो करीब पांच हजार किमी लंबी थी। लेकिन इसके बावजूद कुछ नहीं हुआ। योजना थी कि इस ड्रेनेज सिस्टम के बनने से जलजमाव की दिक्कत नहीं आएगी, लेकिन कुछ न होने की वजह से मौजूदा हालात सभी के सामने हैं।

1894 किमी लंबे गंदे पानी की निकासी के लिए मौजूद पाइप लाइंस प्लास्टिक और दूसरी तरह के कचरे से भरी पड़ी है। यहां की दो ताजे पानी की नदियां कोऊम और आद्यार में भी इसी तरह का कचरा भरा पड़ा है। कोई भी इसको साफ करने के बारे में नहीं सोच रहा है और गंदा पानी लगातार इसमें जा रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने भी यहां की स्थिति के ऊपर गंभीर चिंता जताते हुए यहां पल्लीकर्णी मार्शलैंड को रामसर साइट में तब्दील करने के लिए आदेश दिया हुआ है।

सड़क पर अवैध पार्किंग राहगीरों के लिए बन रही मुसीबत

नई दिल्ली। जोशी कालोनी स्थित पूर्वी दिल्ली नगर निगम विद्यालय के बाहर सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहन राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। आलम यह है कि कालोनी में नगर निगम की पहले से ही पार्किंग बनी हुई है। लेकिन उसके बाद भी लोग सड़क पर वाहन खड़े कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आधी सड़क पर वाहन खड़े रहते हैं। इस मार्ग पर विभागीय लापरवाही के कारण सड़क पर घंटों जाम लगा रहता है। स्थानीय निवासी संजीव कुमार ने बताया कि सड़क पर जगह-जगह अवैध रूप से खड़ी कारों के कारण राहगीरों को आवागमन करने में काफी परेशानियां होती है। मुख्य मार्ग होने के कारण लगातार वाहनों का आना जाना लगा रहता है, जिससे जाम की समस्या लगी रहती है।

स्थानीय निवासी समीर दीक्षित ने बताया कि यह समस्या किसी एक दिन की नहीं है यहां हर समय कार खड़ी रहती है। यातायात पुलिस व नगर निगम को इस समस्या की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि सड़क पर आवाजाही के दौरान राहगीरों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।जोशी कालोनी में पहले से ही निगम की पार्किंग बनी हुई है। उसके बाद भी लोग पार्किंग में वाहन खड़े करने के बजाय सड़क पर ही अतिक्रमण कर लेते हैं। सड़क पर अवैध रूप से खड़ी कारों पर कार्रवाई कर कई बार उठाया गया है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इधर, दिल्ली विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस के तहत स्थापित सेंटर फार साइबर सिक्योरिटी एंड ला आइसीएसएल की गवर्निंग बाडी का गठन किया गया है।

बार-बार वीडियो काल करने पर सुपारी किलर से करवा दी पत्नी की हत्या, पति समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दूसरी औरत से पति के संबंध का पता चलने पर बार-बार वीडियो काल करना एक महिला को भारी पड़ गया। वीडियो काल करके लाइव लोकेशन मांगे जाने से परेशान पति ने हत्या की सुपारी देकर पत्नी रीना गुलिया का कत्ल करवा दिया। दो सुपारी किलर ने घर में घुसकर महिला को चाकू से गोद डाला। किस निर्ममता से महिला की हत्या की गई, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महिला को एकाध नहीं, कुल 17 बार चाकू घोंपा गया। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हत्या में प्रयुक्त चाकू एवं स्कूटी के साथ 50 हजार की नकदी भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मालवीय नगर निवासी नवीन कुमार गुलिया, सोनू और राहुल के तौर पर की गई है। नवीन गुलिया, रीना गुलिया का पति है, जबकि सोनू और राहुल ने महिला की हत्या की थी। पुलिस अधिकारी के बताया कि 18 नवंबर को शेख सराय निवासी नवीन कुमार गुलिया द्वारा अपनी पत्नी को मृत अवस्था में पीएसआरआई अस्पताल में भर्ती कराने की सूचना मिली थी। अस्पताल पहुंची पुलिस टीम को पता चला कि नवीन की 33 वर्षीय पत्नी रीना गुलिया की चाकू से गोदकर हत्या की गई है। शरीर पर चाकू के 17 निशान मिले थे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर, उससे सामान खरीदने वाला भी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस (एंटी बाटो थेफ्ट स्क्वायड) ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नई सीमापुरी निवासी सोनू के रूप में हुई है। उसके कब्जे से कार और चोरी करने में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। पुलिस ने उसके पकड़े जाने पर 15 मामले सुलझाने का दावा किया है। इससे चोरी का माल खरीदने वाले पुरानी सीमापुरी के नौशाद को पुलिस ने दबोच लिया है। इनसे चोरी का काफी सामान बरामद हुआ है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी संजय कुमार सैन ने बताया कि हर्ष विहार थाना इलाके में बीती 13 नवंबर को चोरी की एक ई-एफआइआर दर्ज हुई थी। इस मामले में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस टीम को एक संदिग्ध कार दिखी, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर नजर नहीं आ रहा था। इसकी फोटो पुलिस स्टाफ के अलग-अलग वाट्सएप ग्रुप में भेजी गई। एएटीएस के इंचार्ज इंस्पेक्टर अजय यादव, एसआइ मनोज सोलंकी, हेड कांस्टेबल राजदीप, विपिन त्यागी, राजीव, सिपाही नितिन, दीपक और पवित की टीम को एक संदिग्ध के बारे में जानकारी मिली। पुलिस टीम ने बुधवार रात करीब 10:30 बजे सेवाधाम रोड पर शिवानी धर्म कांटा के पास नई सीमापुरी निवासी सोनू को दबोच लिया। पूछताछ में उसने कई वारदात अंजाम देने की बात कबूली। पूछताछ के दौरान मालूम हुआ कि वह सीमापुरी के घोषित बदमाश टोनी का भाई है। उसकी निशानदेही पर सीसीटीवी कैमरे में कैद कार को बरामद कर लिया गया। उस कार में चोरी का तांबा और एल्यूमीनियम बरामद किया गया। इसकी निशानदेही पर सीमापुरी मार्केट से कबाड़ी नौशाद को दबोचा गया, उससे भी चोरी का सामान बरामद हुआ।

देश में कोरोना: बीते 24 घंटे में 10 हजार से ज्यादा नए मामले, 313 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार सुस्त पड़ती जा रही है। दैनिक मामलों में कमी हो रही है। हालांकि, अपेक्षा रविवार को जारी आंकड़ों में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार के जारी आंकड़े के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना के 10,488 नए मामले सामने आए हैं। वहीं लोगों की 313 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 12,329 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में अब कुल 1,22,714 सक्रिय मरीज बचे हैं। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार, बीते 24 घंटे में 10,302 मामले सामने आए थे

और 264 लोगों ने जान गंवाई थी। देश में कोरोना से रिकवरी दर की बात करें तो यह 98.29 फीसदी है। देश में कोरोना से अब तक कुल 3,39,22,037 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, 4,65,662 मौतें हुई हैं। इसके अलावा अभी तक 3,45,10,413 कुल कोरोना के मामले सामने आए हैं।

कोरोना वैक्सीन की कुल खुराकें 116 करोड़ के पार

भारत ने पिछले 24 घंटों में कोरोना वैक्सीन की कुल 52,59,931 खुराकें दी हैं, जिससे खुराकों की कुल संख्या 1,16,50,55,210 हो गई हैं।

प्रदूषित हवा के चलते लोगों को आफत

नोएडा। शहर में प्रदूषित हवा के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। सड़कों पर आवाजाही के दौरान आंखों में जलन और पानी निकलने की समस्या के साथ सांस लेने में लोगों को घुटन हो रही है, जिसकी शिकायत लोग ट्वीट कर प्रशासन, प्राधिकरण सहित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य से कर रहे हैं। इसके बावजूद वायु प्रदूषण बहुत खराब श्रेणी में बरकरार है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा शाम को जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक नोएडा का एक्यूआइ 376 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआइ 382 के साथ बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। वहीं पीएम 2.5, पीएम 10,एनओ 2 , एसओ 2, सीओ और ओजोन के कण हवा में सर्वाधिक मात्रा में दर्ज किये गए है। पीएम 2.5 और पीएम 10 सार्वधिक 500 तक दर्ज किया गया है। दरअसल शहर में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा ग्रेप लागू होने के बावजूद सेक्टर- 62, 55,71,63,22 सहित अन्य जगहों पर सड़क किनारे निर्माण सामग्रियों के साथ कंक्रीट का मलबा बिखरा हुआ मिला है। जिससे उड़ती धूल से लोग परेशान हैं। साथ ही शहर में रजनीगंधा चौराहे से 12-22 चौराहे पर जाने वाली सड़क, जीआइपी से सेक्टर - 18 जाने वाली सड़क के साथ नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे जाने वाले रास्ते पर कई वाहन जहरीला धुआं फैलाते देखे गए हैं।

राष्ट्रपति ने स्वच्छ अमृत महोत्सव में भाग लिया और स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2021 प्रदान किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने नई दिल्ली में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव को संबोधित किया और स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2021 प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि इस वर्ष के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों का विशेष महत्त्व है क्योंकि हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। महात्मा गांधी कहा करते थे कि ÷सफाई ईश्वर की भक्ति के समान है÷। उनके अनुसार स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी की इस प्राथमिकता को भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि देश को पूरी तरह से स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के हमारे प्रयास हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सफाई मित्रों और सफाई कर्मचारियों ने कोविड महामारी के दौरान भी लगातार अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि असुरक्षित सफाई कार्यों के कारण किसी भी सफाई कर्मचारी का जीवन खतरे में न पड़े। उन्होंने आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की 'सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज' पहल की सराहना की, जिसे 246 शहरों में सीवर और सेप्टिक टैंक की यांत्रिक सफाई को बढ़ावा देने

के उद्देश्य से शुरू किया गया है। उन्होंने आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को सभी शहरों में इस यांत्रिक सफाई सुविधा का विस्तार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हाथ से मैला ढोना एक शर्मनाक प्रथा है। इस प्रथा का उन्मूलन न केवल सरकार की बल्कि समाज और नागरिकों की भी जिम्मेदारी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि शहरों को साफ रखने के लिए ठोस कचरे का प्रभावी प्रबंधन जरूरी है। 1 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने 2026 तक सभी शहरों को 'कचरा मुक्त' बनाने के लक्ष्य के साथ 'स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0' शुरू किया है। यह स्पष्ट है कि एक कचरा मुक्त शहर के लिए जरूरी है कि घर, गलियां और इलाके कचरा मुक्त रहें। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस अभियान की सफलता की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ सभी नागरिकों की है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर कोई घर में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके रखें।

राष्ट्रपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारत की पारंपरिक जीवन शैली का अभिन्न अंग रहा है। आज पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण पर जोर दे रही है जिसमें संसाधनों को पुनः उपयोग करने और उनके पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'वेस्ट टू वेल्थ' के विचार जैसे अच्छे उदाहरण सामने आ रहे हैं और इन क्षेत्रों में कई स्टार्ट-अप सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में उद्यमिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त योजनाएँ विकसित की जा सकती हैं।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से/नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों में क्षमता निर्माण होगा

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव के समारोह के एक भाग के रूप में जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव श्री अनिल कुमार झा और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अध्यक्ष श्री मनोज आहूजा ने संयुक्त रूप से सीबीएसई और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के शिक्षकों के लिए 21 वीं सदी हेतु प्रायोगिक शिक्षा पर टाटा ट्रस्ट, शिक्षक शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (सीईटीई, टीआईएसएस), मुंबई और महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल एमजीआईएस (एमजीआईएस), अहमदाबाद के सहयोग से एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स) का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम 6 राज्यों में 350 शिक्षकों के लिए शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन,जनजातीय विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सिक्षा समिति (नेशनल एजुकेशन सोसाइटी फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स - एनईएसटीएस) के आयुक्त श्री असित गोपाल, जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. नवल जीत कपूर और टाटा ट्रस्ट के

श्री आर पवित्रा कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव अनिल कुमार झा ने कहा कि प्रायोगिक शिक्षा में आदिवासी छात्रों को उनके अपने संदर्भो और वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने में मदद करने के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाने की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने आगे कहा 'एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले आदिवासी छात्र हालांकि पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं, उसके बाद भी उनमें रचनात्मकता अन्तर्निहित है। रचनात्मकता, उद्यम, जोखिम उठाना कुछ ऐसे गुण हैं जो स्वाभाविक रूप से उनके जीवन-काल के दौरान सामने आते हैं। 'उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आदिवासी शिक्षा के विकास के लिए एक बहुत बड़ा प्रयास होगा जिसके अंतर्गत ईएमआरएस स्कूल आने वाले समय में आदर्श स्कूलों के रूप में उभर कर सामने आएँगे।

21वीं सदी के लिए प्रायोगिक शिक्षा कार्यक्रम को शिक्षकों, स्कूल प्रमुखों और प्रधानाध्यापकों के लिए एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के रूप में परिकल्पित किया गया है ताकि उन्हें कक्षा में सीखने को वास्तविक जीवन के अनुभवों के अनुकूल बनाने में मदद मिल सके। इसके लिए आवेदन करने वाले 650 शिक्षकों में से 350 का चयन डिजिटल साक्षरता के मानदंड, अंग्रेजी में सहजता और नई शिक्षा पद्यति सीखने की उनकी आकांक्षा के आधार पर किया गया है। यह प्रशिक्षण से सभी चयनित शिक्षकों और प्राचार्यों को निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस प्रकार चयनित शिक्षकों को 'शिक्षक नेताओं' के रूप में मान्यता दी जाएगी और उन्हें चरणबद्ध तरीके से ईएमआरएस शिक्षण समुदाय के लिए प्रायोगिक शिक्षण अध्यापन का में सक्षम बनाया जाएगा। यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को 21वीं सदी के कौशल और सीखने की प्रक्रियाओं से छात्रों को लैस करने में भी सक्षम बनाएगा।

बढ़ने लगेगी ठिठुरन, अधिकतम व न्यूनतम पारे में आएगी कमी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर का मौसम कभी सर्द तो कभी गर्म बना हुआ है। रविवार से मौसम एक बार फिर करवट ली और वातावरण में सर्दी का अहसास बढ़ा। इस सप्ताह से लगातार अधिकतम व न्यूनतम तापमान में कमी आने के साथ सर्दी की ठिठुरन बढ़ेगी। अगले 24 घंटे में सुबह के समय मध्यम स्तर तक का कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान सामान्य से एक कम 26.6 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो कम 14.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 39 से 93 फीसदी रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे में अधिकतम पारा 27 व न्यूनतम पारा 12 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। इसके अगले दिन भी अधिकतम व न्यूनतम पारे में कमी होगी।

अधिकतम तापमान-27 डिग्री सेल्सियस

न्यूनतम तापमान-12 डिग्री सेल्सियस

सूर्यास्त का समय: 5:26 बजे

सूर्योदय का समय: 6:49 बजे

-सुबह के समय कोहरा छाया रहेगा। दिनभर धूप खिलेगी और तेज हवाओं का दौर से प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली हाईकोर्ट की चिंता: गुजारा भत्ता कानून में खामियों से बच निकलते हैं अपराधी, 'दूसरी' पत्नी को लाभ देने से इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मामलों में गुजारा-भत्ता कानून में मौजूद खामियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इनकी वजह से अपराध करने वाला पक्ष अक्सर बच निकलता है।

कोर्ट ने यह बात एक व्यक्ति द्वारा अपनी 'पत्नी' को गुजारा भत्ता देने का एक आदेश रद्द करते हुए कही। मामले में महिला-पुरुष पहले से विवाहित थे, उनके पहले साथी जीवित थे और विवाह कानूनी रूप से बना हुआ था। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे में मौजूदा कानून के अनुसार दूसरी पत्नी का विवाह अमान्य हो जाता है, वह कानूनन विवाहित पत्नी नहीं कही जा सकती।

इस मामले में पुरुष ने 1999 में महिला से हिंदू रीति से विवाह किया था। 2011 सितंबर में

महिला ने फैमिली कोर्ट में गुजारे भत्ते का आवेदन किया। पुरुष को आदेश हुआ कि वह महिला को 4,200 रुपए महीना गुजारा भत्ता चुकाए। पुरुष ने हाईकोर्ट में अपील कर खुलासा किया कि वह और महिला, दोनों पहले से विवाहित थे। ऐसे में उनका विवाह वैध नहीं हो सकता, महिला को कानूनन उसकी पत्नी नहीं कहा जा सकता।

इस आधार पर गुजारा भत्ता देने का आदेश गलत है। जस्टिस सुब्रमोनियम प्रसाद ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ की गई इस अपील को सही माना। उन्होंने कहा कि वे निश्चित तौर पर महिला की स्थिति से सहानुभूति रखते हैं, लेकिन मौजूदा कानून के अनुसार गुजारा भत्ता जारी नहीं रखा जा सकता।

सीआरपीसी की धारा 125 में ऐसी स्थिति पर विचार नहीं किया गया, जिनमें महिला-पुरुष पहले से विवाहित हों और उनके साथी जीवित हों और नए विवाह के आधार पर गुजारा-भत्ते की मांग की जाए।

शोषण रोकने में नाकाम कानून: हाईकोर्ट ने कहा कि सामाजिक न्याय की बात धारा 125 में कही गई है, लेकिन यह शोषण रोकने में विफल नजर आती है।

कई महिलाओं के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। खासतौर से गरीब तबके की महिलाओं को अक्सर इस प्रकार के अत्याचार व शोषण से गुजरना होता है, लेकिन कानूनी खामी की वजह से अपराधी पक्ष बच निकलता है। हाईकोर्ट ने साफ किया कि विचाराधीन मामले में अगर महिला चाहे तो सामने आए तथ्यों के अनुसार कानूनी कार्रवाई कर सकती है, वह घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत भी मुआवजा मांग सकती है।

व्यापारी से रंगदारी मागते अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बरहज/देवरिया

कस्बा निवासी हिमांशु केडिया पुत्र प्रदीप केडिया शनिवार की रात गोपाल जी के बारात से अपने गाड़ी से घर जा रहा था कि अयोध्या टाकीज के सामने अपराधी बंटी उर्फ आकाश वर्मा पुत्र संजय वर्मा ने गाड़ी रोककर हिमांशु केडिया के कनपटी पर पिस्टल लगाकर 1 लाख रुपये का मांग की और मांग पूरा नही किये जाने पर भद्दी भद्दी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी,सूचना के आधार पर मौके पर मयफोर्स के साथ पहुँचे कस्बा इंचार्ज अमरनाथ सोनकर द्वारा अपराधी बंटी उर्फ आकाश वर्मा को गिरफ्तार कर थाने लाया गया।जहाँ अपराधी के विरुद्ध अपराध संख्या 240/21,धारा 384,386,323,504 के तहत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया।

तैयारी : स्ट्रीट वेंडर्स के लिए दिल्ली सरकार बना रही पॉलिसी, दावा- बंद होगी वसूली

नई दिल्ली । स्ट्रीट वेंडरों से हो रही वसूली को आम आदमी पार्टी (आप) ने बंद कराने का वादा किया है। पार्टी का कहना है कि एमसीडी चुनाव में उसकी सरकार बनने से भ्रष्टाचार को बंद किया जाएगा। पूरी दिल्ली में अलग से वेंडिंग जोन की पहचान होगी और लोग वहां अपना काम कर सकेंगे। इसके लिए दिल्ली सरकार एक एक विस्तृत नीति तैयार कर रही है। आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि एमसीडी व पुलिसकर्मी वेंडर से 500 से 2000 रुपये तक वसूलते हैं। पैसे नहीं देने पर स्ट्रीट वेंडर्स को उठा दिया जाता है, लेकिन पॉलिसी लागू होने से स्ट्रीट वेंडर्स को बैठने की जगह मिलेगी। उन्हें पैसे भी नहीं देने पड़ेंगे और इससे दिल्ली के हर तबके को फायदा होगा। भारद्वाज ने कहा कि टाउन वेंडिंग कमेटी 7 दिसंबर तक सर्वे को पूरा कर लिया जाएगा।

इस माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को चिन्हित किया जा रहा है। 30 सितंबर तक हुए सर्वे के अनुसार दक्षिणी दिल्ली एमसीडी में 23951, उत्तरी एमसीडी में 27819 और पूर्वी एमसीडी में 19577 स्ट्रीट वेंडरों को चिन्हित किया गया है। भाजपा के झुग्गी सम्मान यात्रा पर निशाना साधते हुए भारद्वाज ने कहा कि भाजपा पार्षद रेहड़ी-पटरी वालों से एक महीना हफ्ता वसूली बंद कर दें, तो यही

उनका सबसे बड़ा सम्मान होगा।

समस्या को संतुलित किया जाएगा

भारद्वाज ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर्स से जुड़ी समस्याएं बहस की बहुत बड़ी विषय होती हैं। इसके अंदर कुछ बातें ध्यान में रखनी होती हैं। एक जो स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी पटरी वाले) हैं, उनकी जरूरत समाज के लोगों को होती है। सब्जी खरीदने की जरूरत होती है। प्रेस वाले से प्रेस कराने की जरूरत होती है। फल वाले से फल लेने की जरूरत पड़ती है। दूसरा स्ट्रीट वेंडर्स की इस पर आजीविका निर्भर होती है। तीसरा स्ट्रीट वेंडर्स अगर सही जगह नहीं बैठा हुआ है तो लोगों को आवाजाही में समस्या होती है। इसे ही संतुलित करने की आवश्यकता है। सौरभ भारद्वाज ने भाजपा के झुग्गी सम्मान यात्रा पर भी निशाना साधा। कहा कि पहले तो भाजपा ने झुग्गी कह दिया और फिर सम्मान भी दे दी। झुग्गी सम्मान यात्रा में असली सम्मान यह होता कि भाजपा पार्षदों को यह कह दिया जाता कि रेहड़ी, रिक्शा, पटरी वालों से एक महीने की हफ्ता वसूली बंद कर दें। यही उन लोगों का सबसे बड़ा सम्मान होगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता को सिर्फ इतना करना चाहिए कि एक महीने तक पार्षद रेहड़ी रिक्शा वालों से कोई वसूली नहीं करें।

CMYK

देश में उच्च क्षमता वाली पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन का होगा गठन-प्रधानमंत्री मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश की पुलिस फोर्स के फायदे के लिए 'इंटर ओपरेबल' तकनीक को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब गृहमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च क्षमता वाली पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन गठित किया जाएगा, ताकि भविष्य की तकनीक को जमीनी स्तर की पुलिस आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सके। उप्र पुलिस मुख्यालय में आयोजित पहली बार आयोजित तीन दिवसीय 56वें देश के सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों की कॉन्फ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी राज्यों के पुलिस संगठनों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही विवेचना में तकनीक के उपयोगी पर जोर दिया। उन्होंने विवेचना और निगरानी में ड्रोन तकनीक के फायदे भी बताए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि साल 2014 में लागू स्मार्ट पुलिसिंग को और मजबूत किया जाये। उन्होंने कहा कि पुलिस में उच्च तकनीकी शिक्षा लेकर आए युवाओं को जोड़ा जाए। उन्होंने पुलिस अफसरों को आश्वस्त किया कि तकनीक और अत्याधुनिक संसाधन पुलिस को उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर वारदात का विश्लेषण और सीखने की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। उन्होंने देश की पुलिस फोर्स के फायदे के लिए इंटर ओपरेबल तकनीक को बढ़ाने पर जोर दिया। कॉन्फ्रेंस के दौरान कारागार सुधार, आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर अपराध, नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग, गैर सरकारी संगठनों की विदेशी फंडिंग, सीमावर्ती गांवों का विकास जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुई। इसके लिए पुलिस महानिदेशकों के कोर ग्रुप गठित किए गए थे। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के दौरान पुलिस के अच्छे व्यवहार की सराहना की। डीजीपी कॉन्फ्रेंस में देश भर के करीब 350 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न राज्यों में स्थित आईबी कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से भी जुड़े। यह सम्मेलन साल 2014 से देश के विभिन्न भागों में आयोजित किया जा रहा है।

50 फीसदी लोगों के मुताबिक कृषि कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे : सर्वेक्षण

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर को तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा की। राजनीतिक जानकारों का ये भी मानना है कि तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की एक वजह ये भी थी क्योंकि व्यापक रूप से ये तीनों कानून अलोकप्रिय थे। इस बारे में कानूनों को लेकर इस तरह की थ्योरी भी चल रही थी कि इन कानूनों के जरिये अंबानी और अडानी किसानों की जमीन हड़प लेंगे और खुले बाजार में किसानों के लिए सौदा करना आसान नहीं होगा। दिल्ली की ओर जाने वाली और दिल्ली के बाहर जाने वाली सड़कों की साल भर की नाकेबंदी को भी कृषि कानूनों की व्यापक अलोकप्रियता की वजह बताया गया। भारत भर में आईएएनएस-सीवोटर स्नैप पोल द्वारा मिले तथ्य और डेटा के मुताबिक, 50 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं का स्पष्ट बहुमत था कि कृषि कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे। इसके विपरीत, केवल 30 प्रतिशत को लगता है कि वे फायदेमंद नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने स्वयं 19 नवंबर को कृषि कानूनों को निरस्त करते हुए कहा था कि उनकी सरकार चाहती है कि छोटे किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिले। कृषि कानूनों के समर्थन के और भी सबूत हैं। लगभग 48 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि सरकार को सभी हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक संशोधनों के बाद संसद में कृषि कानूनों को फिर से पेश करना चाहिए। यह कोई नहीं जानता कि राजनीतिक माहौल को देखते हुए कृषि कानून फिर से पेश किया जाएगा या नहीं, लेकिन तथ्य यह है कि इस तरह के कदमों को लोगों का समर्थन है। उत्तरदाताओं के एक विशाल 56.7 प्रतिशत लोगों की राय थी कि राजनीतिक मकसद के कारण इन कानूनों का विरोध किया गया।

कृषि कानूनों पर भाजपा नेताओं के बयानों से हो रही आशंका-प्रियंका गांधी

लखनऊ। कृषि कानून वापसी के घोषणा के बाद से कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी लगातार केन्द्र सरकार और भाजपा पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं चूक रहीं हैं। अब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा कृषि कानूनों को लेकर बयानबाजी पर सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस प्रकार से भूमि अधिग्रहण कानून के मामले में भाजपा ने छल किया था वैसे ही चुनाव बाद कृषि कानूनों को लेकर भी छल करेंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने एक वीडियो के साथ रविवार को ट्वीट कर कहा कि 'भाजपा नेताओं के चुनाव बाद कृषि कानूनों को वापस लाने वाले बयान किसानों की आशंकाओं को सही ठहराते हैं। भाजपा ने भूमि अधिग्रहण कानून के मामले में भी यही छल किया था। किसानों को चुनावों के समय कानून वापस लेने का छलावा नहीं, एमएसपी व फसल का हक लूटने वाले कानूनों का समूल नाश चाहिए।'

जम्मू-कश्मीर में झेलम, सिंधू के संगम पर करोड़ों श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले के सैदीपोरा इलाके में रविवार को कई प्रवासी कश्मीरी पंडितों सहित करोड़ों श्रद्धालु हिंदुओं ने झेलम नदी और सिंधू धारा के संगम पर पूजा-अर्चना की और स्नान किया। शून्य से नीचे तापमान होने के बावजूद धर्मनिष्ठ हिंदुओं ने सिंध नदी के संगम पर झेलम नदी के अंदर स्थित सैदीपोरा मंदिर में पुष्पांजलि अर्पित की और धार्मिक भजन गाए। श्रद्धालुओं में से ज्यादातर आंध्र प्रदेश से हैं, हालांकि कई अन्य जगहों से भी हैं। सभी ने सैदीपोरा मंदिर के संगम में पूजा-अर्चना की और पवित्र स्नान किया। श्रद्धालुओं ने वायिल पुल पर भी प्रार्थना की और सिंध धारा में पवित्र डुबकी लगाई। झेलम और सिंध दोनों नदियाँ हिंदू धर्म के लिए पवित्र हैं। एक श्रद्धालु ने कहा कि प्रार्थना और पवित्र डुबकी के बाद हमने खीर भवानी मंदिर में माता के दर्शन किए। 3,000 से अधिक भक्तों ने कहा कि यह कार्य इस महीने के अंत तक 10 दिनों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि महामारी के कारण भक्त पिछले साल अनुष्ठान नहीं कर सके थे।

नई दिल्ली में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत संत ईश्वर सम्मान 2021 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से हाथ नहीं मिलाएगी सीपीएम

नई दिल्ली।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ हाथ न मिलाने और अपने गठबंधनों के संबंध में राज्यवार रणनीति अपनाने का फैसला किया गया है। माकपा पोलित ब्यूरो, इस राज्यवार रणनीति के तहत इस फॉर्मूले पर इसलिए पहुंची है, क्योंकि अगल-अलग राज्यों की इकाइयों की तरफ से अलग-अलग मांग की जा रही है। पश्चिम बंगाल और केरल इन दो राज्यों की इकाइयों के बीच इस मामले पर कोई सहमति नहीं बन पाई है। पांच राज्यों के चुनाव में अब कुछ ही समय बचा है इसलिए संसद के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले सीपीआईएम ने ये रणनीति बनाई है। फिलहाल पार्टी चुनावी राज्यों- उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में अन्य वाम दलों के साथ गठबंधन करेगी। हालांकि पार्टी मुख्यतौर पर तमिलनाडु मॉडल के पक्ष में है, जहां सीपीआईएस और कांग्रेस दोनों पाटीर्यों ने एक क्षेत्रीय दल के नेतृत्व में गठबंधन में चुनाव लड़ा था। वहीं इन पांचों राज्य जहां चुनाव होने है इनकी समितियों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन का विरोध किया है। बीजेपी को हराने के लिए और कांग्रेस गठबंधन को लेकर सीपीआईएम जब तक कोई अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंचती तब तक के लिए ये फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि तमाम राज्यों में कांग्रेस का गठबंधन दूसरे अन्य दलों से एक-एक कर टूट रहा है। इसी के मद्देनजर माकपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि माकपा पोलित ब्यूरो ने कांग्रेस से गठबंधन तोड़ने की कोई चर्चा नहीं की। फिलहाल बीजेपी को हराने के लिए माकपा का सभी दलों के साथ गठबंधन बेहद जरूरी है। गौरतलब है कि पिछले माह अक्टूबर में माकपा की तीन दिवसीय केंद्रीय समिति की बैठक हुई थी। बैठक के एजेंडे में आगामी चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस के साथ गठबंधन पर पार्टी की क्या नीति रहेगी, ये तय करना भी शामिल था। सूत्रों के अनुसार पोलित ब्यूरो में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को लेकर मतभेद हैं।

2022 के विधानसभा चुनावों में कृषि कानूनों को निरस्त करना अहम भूमिका निभाएगाः सर्वेक्षण

नई दिल्ली।

आईएएनएस-सी वोटर सर्वेक्षण के अनुसार, कम से कम 55 प्रतिशत लोगों का कहना है कि 3 कृषि कानूनों को निरस्त करने का फैसला 2022 की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका निभाएगा। आईएएनएस-सीवोटर सर्वेक्षण ने यह स्पष्ट किया है कि कृषि कानून और इसको लेकर होने वाली राजनीति आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 55.1 प्रतिशत लोगों का स्पष्ट तौर पर मानना था कि इस फैसले का चुनावों पर प्रभाव पड़ेगा, जबकि केवल 30.8 प्रतिशत का मानना है कि चुनावों में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। एक बार फिर एनडीए और विपक्षी समर्थकों के विचारों में एकरूपता नजर आई। एनडीए के लगभग 53 प्रतिशत मतदाताओं ने महसूस किया कि चुनावों पर असर पड़ेगा, जबकि 56 प्रतिशत से अधिक विपक्षी मतदाताओं ने ऐसा ही महसूस किया। यह पूछे जाने पर कि क्या मोदी, जैसा कि उन्होंने 2015 में भूमि अधिग्रहण विधेयक के साथ किया था, दबाव के आगे झुक जाते हैं, जब उन पर व्यवसाय समर्थक होने का आरोप लगाया जाता है? तो एनडीए के 36.3 प्रतिशत समर्थक इससे असहमत थे, जबकि 43 प्रतिशत ने हां में कहा। यह पूछे जाने पर कि निरस्त करने का श्रेय किसे जाता है, एनडीए के 47 प्रतिशत मतदाताओं ने मोदी सरकार का सुझाव दिया, जबकि 36 प्रतिशत विपक्षी समर्थकों ने इससे असहमति जताई। संसद में कृषि कानूनों का विवादास्पद पारित होना और उसके बाद अब निरस्त करना सब राजनीतिक है। लगभग एक साल से चल रहे तीन कृषि कानूनों के विरोध के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर, 56 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि विरोध राजनीति से प्रेरित थे। लगभग 48 प्रतिशत विपक्षी मतदाताओं की भी ऐसी ही राय थी।

महापंचाय

किसान संगठनों की लखनऊ में महापंचायत आज

लखनऊ।

तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के वापस होने के बाद भी अपनी अन्य मांगों को लेकर किसान संगठन अब आज उप्र की राजधानी लखनऊ में महापंचायत करने जा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा बुलाई गयी किसान महापंचायत में मोर्चा आगे की रणनीति पर विचार करेगा। इस बीच, किसान नेताओं का कहना है कि जब तक सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाला कानून नहीं बनाती तथा लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा श्टेनीश् को बर्खास्त नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की घोषणा करते हुए कहा था कि इसके लिए संसद के आगामी सत्र में विधेयक लाया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सोमवार को लखनऊ के इको गार्डन में आयोजित होने वाली किसान महापंचायत के लिए किसानों से यहां आने की अपील की है। उन्होंने 'चलो लखनऊ-चलो लखनऊ' नारे के साथ रविवार को ट्वीट किया, "सरकार द्वारा जिन कृषि सुधारों की बात की जा रही है, वे नकली एवं बनावटी हैं। इन सुधारों से किसानों की बदहाली रुकने वाली नहीं है। कृषि एवं किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानून बनाना सबसे बड़ा सुधार होगा।"

भाकियू से जुड़े किसान नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर कब कानून बनाएंगे, इसके बारें में अपने सम्बोधन में कुछ भी नहीं कहा है। उनका कहना है कि जब तक एमएसपी को कानून बनाने और केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार को बर्खास्त करने के लिए कदम नहीं उठाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके अलावा किसान महापंचायत में और भी कई बिंदुओं पर चर्चा होगी, जैसे कि भाजपा ने कहा था कि सरकार बनने के बाद किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान 14 दिन के भीतर किया जाएगा, लेकिन यह व्यवस्था आज तक लागू नहीं हो सकी और साढ़े चार वर्ष में गन्ना मूल्य में मात्र 25 रुपये की वृद्धि की गई है। मोर्चा महापंचायत में आगे के कार्यक्रमों के बारे में फैसला लेगा। विदित हो कि तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया क्षेत्र में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी। किसानों का आरोप है कि अजय कुमार मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अपनी गाड़ी चढ़ा दी और इस दौरान गोलियां चलाई गईं। इस मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा समेत दर्जनभर से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास का छठा संस्करण 'युद्धाभ्यास शक्ति 2021' फ्रांस में आयोजित किया

नई दिल्ली। भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास शक्ति 2021' का छठा संस्करण 15 नवंबर को उद्घाटन समारोह के साथ फ्रांस के सैन्य स्कूल ड्रैगुइनान में शुरू हुआ। भारतीय सेना के दल का प्रतिनिधित्व गोरखा राइफल्स और सपोर्ट आर्म्स की एक बटालियन के तीन अधिकारियों, तीन जूनियर कमीशंड अधिकारी और 37 सैनिकों की एक संयुक्त टीम द्वारा किया जा रहा है। अब तक के प्रशिक्षण में संयुक्त योजना निर्माण के पहलुओं, सैन्य अभियानों के संचालन की आपसी समझ और संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत आतंकवाद विरोधी वातावरण में संयुक्त रूप से अभियानों के लिए आवश्यक समन्वय संबंधी आयामों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भाग लेने वाली सैन्य टुकड़ियों को कॉम्बैट कंडीशनिंग और सामरिक प्रशिक्षण के चरणों से भी गुज़ारा गया है जिसमें फायरिंग अभ्यास और 'युद्ध की परिस्थितियों के लिहाज से सख्त बनाने वाले' कार्य सत्र शामिल हैं। अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है जो दो चरणों के दौरान हासिल किए गए मानकों को मान्यता प्रदान करने के लिए 36 घंटे के कठिन अभ्यास के साथ समाप्त होगा। संयुक्त प्रशिक्षण के अलावा यह सैन्य दल मार्सिले में मेज़ारग्यूज़ वॉर सीमेट्री का दौरा करने गया, जहां प्रथम विश्व युद्ध के 1,002 भारतीय सैनिकों का अंतिम संस्कार किया गया है। भारतीय और फ्रांसीसी टुकड़ियों ने एक साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया और वीरगति को प्राप्त हुए वीरों की वीरता को याद करने के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राज्यों को अब तक 130 करोड़ से अधिक टीके उपलब्ध कराए गए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण के दायरे का विस्तार करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। कोविड-19 का टीका सभी को उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीकाकरण की व्यवस्था कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को अधिक बेहतर बनाया जा सके। केंद्र सरकार देशव्यापी कोविड रोधी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 130 करोड़ से अधिक (1,30,92,52,950) खुराक राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी भी कोविड-19 टीके की 22.70 करोड़ से अधिक (22,70,93,531) अतिरिक्त एवं बिना इस्तेमाल हुई खुराक उपलब ध हैं, जिन्हें लगाया जाना शेष है।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 116.50 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटों में 67,25,970 वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 116.50 करोड़ (1,16,50,55,210) के अहम पड़ाव से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,20,41,157 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 12,329 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,39,22,037 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 98.30त्न है। केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा निरंतर और सहयोगात्मक रूप से किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप पिछले 147 दिनों से लगातार 50,000 से कम दैनिक नए कोविड मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 10,488 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 1,22,714 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 0.36 प्रतिशत हैं। यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 10,74,099 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 63.16 करोड़ (63,16,49,378) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.94 प्रतिशत है जो पिछले 58 दिनों से लगातार 2त्न से कम बनी हुई है। दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.98 प्रतिशत है। दैनिक सकारात्मकता दर पिछले 48 दिनों से 2 प्रतिशत से कम और लगातार 83 दिनों से दैनिक 3 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

गुजरात में आयकर विभाग द्वारा तलाशी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने 18 नवंबर को रसायनों के निर्माण और अचल संपत्ति के विकास में लगे एक प्रमुख समूह के परिसरों में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया है। इस तलाशी अभियान में गुजरात के वापी और सरिगम, सिलवासा और मुंबई में फैले 20 से अधिक परिसरों की जांच की गई। समूह द्वारा अर्जित की गई बड़ी बेहिसाब आय और संपत्ति में उसके निवेश को दर्शाने वाले दस्तावेजों, डायरी और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक साक्ष्य पाए गए हैं और उन्हें जब्त कर लिया गया है। मिले साक्ष्य स्पष्ट रूप से विभिन्न तरीकों को अपनाकर कर योग्य आय की चोरी का संकेत देते हैं जैसे कि उत्पादन कम दिखाया जाना, खरीद को बढ़ाने के लिए माल की वास्तविक डिलीवरी के बिना फर्जी खरीद चालान का उपयोग, फर्जी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ऋण का लाभ लेना, फर्जी कमीशन खर्च का दावा करना इत्यादि। इस समूह को अचल संपत्ति लेनदेन में भी धन प्राप्त हुआ है। इन सभी के परिणामस्वरूप बेहिसाब नकदी उत्पन्न हुई है। तलाशी की कार्यवाही के दौरान, अचल संपत्तियों में निवेश में नकद लेनदेन और नकद ऋण के बारे में कई आपत्तिजनक सबूत भी जब्त किए हैं।

CMYK

सुविचार — जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मैं इसी को सत्य कहता हूँ। - वेदव्यास

संपादकीय

भूख की हूक

तरक्की और विकास के तमाम दावों के बीच यदि सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़े कि भूख से एक भी मौत न हो, यह सुनिश्चित करना लोककल्याणकारी सरकारों का दायित्व है और अगर आप भूख का समाधान देना चाहते हैं तो कोई संविधान, कोई कानून आपको मना नहीं करेगा, तो निस्संदेह यह सरकारों को असहज करने वाला है। विडंबना ही है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाते देश में भूख से जूझते लोगों के बाबत अदालत को निर्देश देने की जरूरत पड़ी। निस्संदेह, भूख का खात्मा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि सरकारें कठघरे में खड़ी होती हैं तो इसका मतलब सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। वैसे तो केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा इस दिशा में कई पहल हुई हैं। पहले से ही कई ऐसी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खामियों के चलते वंचित समाज को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। निस्संदेह, कोरोना महामारी ने इस स्थिति को विकट बनाया है। गरीबी दूर करने में दशकों से हासिल सफलता को हमने एक झटके में गंवा दिया और करोड़ों लोग फिर गरीबी की दलदल में धंस गये। हालांकि इस दौरान सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अस्सी करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त अनाज बांटने का दावा किया है। यह योजना अभी भी जारी है। लेकिन एक बड़ा तबका ऐसा है, जिसने कोरोना संकट के चलते क्रय शक्ति गंवायी है। बड़ी संख्या ऐसे बेरोजगारों की है, जिनका काम पुन- आरंभ नहीं हो पाया। उस पर ग्लोबल हंगर इंडेक्स की वह रिपोर्ट परेशान करती है, जिसमें दुनिया के 116 देशों की सूची में भूख के संकट से जूझने वाले देशों में भारत का स्थान 101वां है। जबकि बीते साल यह स्थिति 94वें स्थान पर थी। तब खराब लगता है जब रिपोर्ट पाकिस्तान, नेपाल व भारत को बेहतर स्थिति में दिखाती है। यद्यपि भारत की आबादी के हिसाब से इस तुलना का कोई औचित्य नहीं है। वैसे तो भारत सरकार ने इस रिपोर्ट के आंकड़े जुटाने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाये हैं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक की कार्यप्रणाली को अवैज्ञानिक बताया है। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि आंकड़े जुटाने वाली एजेंसी भुखमरी की बात कर रही है या कुपोषण की। फिर भी आंकड़े सत्ताधीशों को आईना तो दिखाते ही हैं कि इससे जुड़े वास्तविक आंकड़े सामने आयें और केंद्र व राज्य सरकारें इस दिशा में गंभीरता से प्रयास करें। आखिर क्यों हर बार शीर्ष अदालत को इस दिशा में हस्तक्षेप करने को बाध्य होना पड़ता है। यह इसलिए भी जरूरी है कि देश में कोई खाद्यान्न संकट नहीं है। इसके भण्डारण और वितरण में लाखों टन अनाज बर्बाद हो जाता है, जिसके बारे में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि इसे सड़ाने से अच्छा है कि इसे गरीबों में बांट दिया जाये। दरअसल, अक्तूबर में भी शीर्ष अदालत ने भूख से प्रभावित लोगों तक खाना पहुंचाने के लिये केंद्र सरकार से राज्यों से मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिटी किचेन स्कीम का प्रारूप तैयार करने को कहा था। लेकिन मंगलवार को जब इस बाबत केंद्र सरकार ने हलफनामा पेश किया तो उसमें कोर्ट को इस मुद्दे पर कोई गंभीरता व प्रगति नजर नहीं आई। वहीं कोर्ट इस बात से भी नाराज था कि निर्देश के विपरीत निचले स्तर के अधिकारी द्वारा हलफनामा दायर करवाया गया। बहरहाल कोर्ट ने केंद्र सरकार को विभिन्न राज्य सरकारों से विचार-मंथन करके सामुदायिक रसोई पर देशव्यापी नीति तैयार करने हेतु तीन सप्ताह का समय दिया है। यदि योजना सिरे चढ़ती है तो प्राकृतिक आपदाओं के शिकार, जमीन से उखड़े, बेरोजगार, अक्षम व गरीब लोगों को सामुदायिक रसोई से बड़ी राहत मिलने की राह खुल जायेगी। वैसे तो रचनात्मक कार्यक्रमों से लोगों को आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकता होना चाहिए ताकि उन्हें सरकारी मदद पर निर्भर नहीं रहना पड़े। हर व्यक्ति को राष्ट्र के उत्थान में योगदान करना चाहिए, लेकिन कोरोना संकट से उत्पन्न स्थितियों को अपवाद स्वरूप लिया जाना चाहिए।

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और संपन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी और संपन्न रह सकता है तथा समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाए। एक व्यक्ति बेइमानी करता है, और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेइमानी करने लगें तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है, और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अंतरात्मा की साक्षी ले ली जाए। जब भी कोई किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसके शरीर से पसीना छूटता है। प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए। जिस काम को करने में अंदर से प्रसन्नता और आनंद महसूस न हो, समझना चाहिए वह काम नैतिकता के अंतर्गत नहीं है, उसे त्याग देना चाहिए।

शौचालयों से ही समृद्धि संभव

- गजेंद्र सिंह शेखावत

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई। बिना चप्पल यानी नंगे पांव आदिवासी पोशाक पहने 72 वर्षीय पद्म श्री से सम्मानित तुलसी गौड़ा की सोशल मीडिया में छाई हुई तस्वीर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उस तस्वीर ने अकेले ही उन चैंपियनों को पुरस्कृत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो समाज में जमीनी स्तर पर अपना योगदान दे रहे हैं और सहज रूप से सुर्खियों से दूर रहकर साधु जैसी एकाग्रता के साथ चुपचाप अपना काम करते हैं। इसी तरह की एक तस्वीर 2016 में भी वायरल हुई थी। वह प्रधानमंत्री की 105 वर्षीय कुंवर बाई को नमन करते हुए तस्वीर थी। कुंवर बाई ने अपने गांव में शौचालय बनाने के लिए 10 बकरियां और अपनी अधिकांश संपत्ति बेच दी थी। इस किस्म के दृश्य संख्या और आंकड़ों के मामले में हमारी उपलब्धियों के समान ही मर्मस्पर्शी और जश्न मनाने लायक हैं। जब भारत ने 108 मिलियन शौचालयों का निर्माण कर खुले में शौच से मुक्त का दर्जा हासिल किया तो यह कुंवर बाई की उतनी ही जीत थी, जितनी प्रधानमंत्री की। चैंपियन हमेशा सरकार की नीतियों के सह-उत्पाद नहीं होते, बल्कि कभी-कभी नीतियां भी चैंपियनों से प्रेरणा लेती हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री अक्सर कहते हैं, जब प्रत्येक भारतीय सिर्फ एक कदम उठाता है तो भारत 135 करोड़ कदम आगे बढ़ता है। स्वच्छ भारत अभियान, जल शक्ति अभियान, जल जीवन मिशन और हाल ही में टीकाकरण अभियान जैसे जन-आंदोलन इस उक्ति के जीवंत उदाहरण हैं। मार्मिकता और प्रेरणा की बात तो एक तरफ, लेकिन किसी आंदोलन की शुरुआत करना और उसे गति देना नीतिगत मूल्य श्रृंखला का केवल एक पहलू है। उस आंदोलन की गति को बनाए रखना और पुरानी आदतों की ओर लौटने को हतोत्साहित करना कहीं अधिक बड़ी चुनौती है और इसके लिए व्यापक तकनीकी विशेषज्ञता एवं आधारभूत संरचना की जरूरत होती है। इस उद्देश्य के लिए, स्वच्छता से संबंधित मूल्य श्रृंखला के सभी स्थिर और गतिमान रहने वाले हिस्सों की पड़ताल यानी मल अपशिष्ट की रोकथाम, उसे खाली करना, उसका परिवहन, उसका शोधन और उसके दोबारा उपयोग या निपटान का अहम महत्व है। इन तथ्यों के आलोक में, भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण- 2 को 1,40,881 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ मंजूरी दी थी। इसके तहत खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) की स्थिति और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की निरंतरता पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इस विकराल समस्या का केंद्र बिंदु और इसकी सबसे बड़ी पहेलियों में से एक है मल से संबंधित गाद का प्रबंधन (एफएसएम), जोकि 卐खुले में शौच से मुक्त卐 प्लस भारत का एक महत्वपूर्ण लेकिन चुनौतीपूर्ण हिस्सा है। सामुदायिक शौचालयों के निर्माण, ठोस एवं तरल कचरे के प्रभावी प्रबंधन और गांवों की दिखने लायक सफाई के साथ-साथ ओडीएफ प्लस की स्थिति को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-ढ्ढढ्ढ के प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में गिना जाता है। सेप्टिक टैंक और सिंगल पिट जैसे स्थल पर सफाई से जुड़े शौचालयों की काफी संख्या होने की वजह से मल से संबंधित गाद का प्रबंधन (एफएसएम) ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित तरीके से स्वच्छता प्रदान करने की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। आगे आने वाली चुनौतियों की विकरालता हमें सर्वोत्तम प्रथाओं और केस स्टडी की पहचान करने के लिए मजबूर करती है। ऐसा ही एक उदाहरण मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के कालीबिल्लौद गांव का है। ग्राम पंचायत द्वारा संचालित एवं व्यवस्थित कालीबिल्लौद मल गाद शोधन संयंत्र, तीन ग्राम पंचायतों के समूह के 45,870 लोगों की जरूरतों को पूरा करता है और इसकी क्षमता तीन किलोलीटर मल से संबंधित गाद के शोधन की है। विभिन्न सेवा प्रदाता हर दिन तीन हजार (3000) लीटर गाद एकत्रित करते हैं। यह गाद शोधन की विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरता है और इसका अंतिम उत्पाद एक किस्म का शोधित अपशिष्ट होता है, जोकि आसपास के परिदृश्य को सुन्दर बनाने के काम आता है। इस किस्म के अन्य चैंपियनों के साथ कालीबिल्लौद एक मिसाल है। इनमें से प्रत्येक चैंपियन को स्थानीय परिस्थितियों और चुनौतियों के अनुरूप ढाला गया है। ग्रामीण भारत स्वच्छता के क्षेत्र में की जाने वाली किसी भी पहल के सामने एक बहुत बड़ी बाधा खड़ी करता है। ग्रामीण भारत में जल-निकासी की व्यवस्था (सीवरेज सिस्टम) का न होना सबसे बड़ी बाधा है। इस प्रकार, यह मल अपशिष्ट के सुरक्षित प्रबंधन पर अधिकतम बोझ डालता है। ट्विन लीच पिट को छोड़कर, सिंगल पिट और सेप्टिक टैंक जैसी मल अपशिष्ट की रोकथाम से जुड़ी अन्य प्रणालियों में मल से संबंधित गाद को हटाकर खाली करने की जरूरत होती है। स्वच्छ भारत अभियान द्वारा स्वास्थ्य और मानव दिवस की दृष्टि से प्रति परिवार प्रति वर्ष 50 हजार रुपये की बचत का एकमात्र कारण ट्विन पिट जैसे दूरदर्शी उपाय की शुरुआत थी, जिसके बिना स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) एक बहुत ही बड़ी और अपेक्षाकृत अधिक अनसुलझी समस्या का कारक साबित होता। ट्विन पिट इस सरकार की दूरदर्शिता का एक आदर्श उदाहरण है। यह बेहद ही कम लागत पर स्थल पर शोधन की सुविधा प्रदान करता है। अन्यथा बिना ट्विन पिट के बने 108 मिलियन शौचालयों ने पूरे इकोसिस्टम को नष्ट कर दिया होता, हमारे भूजल को जहरीला बना दिया होता और आम तौर पर हर किसी के लिए जीवन को एक बदबूदार नरक बना दिया होता। अधिकांश चुनौतियों की जड़ें स्वच्छ भारत के पूर्व के दिनों में हैं, जहां शौचालयों का निर्माण इसके रखरखाव के बारे में सोचे-समझे बिना किया जाता था। स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) मल से संबंधित गाद के प्रबंधन के जरिए वर्तमान में जो कर रहा है, वह और कुछ नहीं बल्कि अतीत की गलतियों को दूर करना और स्वच्छता की खराब प्रणालियों के कारण भूजल एवं जल निकायों में मल की वजह से पैदा होने वाले रोगजनकों के रिसाव को रोकना है। मल प्रबंधन के क्षेत्र में छोटे स्तर के अकुशल एवं अक्सर बिना मशीनी सुविधा वाले अनौपचारिक सेवा प्रदाताओं की भीड़ है। अराजकता के इस वातावरण में समझ पैदा करना और व्यवस्था में अनुशासन लाना एक ऐसी कठिन चुनौती है जिससे हमें स्वच्छता की राह में जूझना होगा। सर्वोत्तम प्रथाओं, जिनके बारे में हमने इस लेख में गंभीरता से चर्चा की है, को संस्थागत बनाना आगे के रास्तों में से एक है। ट्विन पिट की शानदार प्रणाली एक बार फिर से चर्चा में है क्योंकि हम सिंगल पिट को भी तेजी से ट्विन पिट में परिवर्तित कर रहे हैं। जहां तक सेप्टिक टैंक का सवाल है, आंशिक रूप से शोधित अपशिष्ट जल के निपटान के उद्देश्य से सेप्टिक टैंक के लिए लीच पिट बनाए जा रहे हैं। विश्व शौचालय दिवस 2021 का विषय 'शौचालयों का महत्व' है। अगर दुनिया में किसी देश ने सही मायने में शौचालय को महत्व दिया है, तो वह इस सरकार के अधीन यह देश है। जहां दूसरों ने शौचालयों को कचरे के रूप में देखा, वहीं हमने इसे महिलाओं के आत्मसम्मान को बनाए रखने के एक साधन के रूप में देखा। जहां कई लोगों ने शौचालयों को एक विषय के रूप में चर्चा के लिए प्रधानमंत्री के पद की गरिमा के प्रतिकूल माना, वहीं प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से इसके बारे में बात की। उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया और कुंवर बाई जैसे लाखों लोग उनके इस अभियान में शामिल हुए। अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) चरण-2 की जिम्मेदारी को आगे सौंपा गया है और मुझे विश्वास है कि 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों में शामिल छठा लक्ष्य यानी सभी के लिए पानी और स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। उस पायदान पर खड़े होना वाकई एक शानदार उपलब्धि होगी और एक राष्ट्र के रूप में, हम इसके लिए तैयार हैं। स्वच्छता के चैंपियन के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए हम तैयार हैं। हम एक बार फिर से खुद को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं।

(लेखक देश के जल शक्ति मंत्री हैं)

तंत्र पर लोक की जीत की घड़ी

राजकुमार सिंह

चौंकाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक शैली का खास अंग रहा है। मोदी के राजनीतिक जीवन और शासनकाल की सबसे बड़ी चुनौती बताये जा रहे किसान आंदोलन के समाधान में भी वह साफ नजर आया, जब प्रकाश पर्व के रूप में मनायी जाने वाली गुरु नानक देव जयंती पर सुबह प्रधानमंत्री ने अचानक ही देश को संबोधित करते हुए तीनों विवादास्पद कृषि कानून वापस लेने के निर्णय की घोषणा कर दी। मोदी ने क्षमा याचना करते हुए भी कहा कि उन्हीं की तपस्या में कमी रह गयी होगी कि दीये के प्रकाश जैसा सत्य कृषि कानूनों का लाभ कुछ किसानों को नहीं समझा पाये। इसलिए सरकार ने ये कानून वापस लेने का निर्णय किया है और ऐसा करने की संवैधानिक प्रक्रिया इसी मासांत शुरू हो रहे संसद सत्र में पूरी कर ली जायेगी। साथ ही एमएसपी की गारंटी संबंधी कानून आदि की मांग पर विचार के लिए एक कमेटी बनायी जायेगी। स्वाभाविक ही लगभग साल भर से देश की राजधानी दिल्ली की दहलीज पर जारी किसान आंदोलन और उसके प्रति सरकार का रवैया देश-दुनिया में चिंता का विषय बना हुआ था। विवाद के मूल में वे ही तीन कृषि कानून थे, जिन्हें वापस लेने की घोषणा 19 नवंबर को प्रधानमंत्री ने की। इन कानूनों के गुण-दोष पर साल भर में बहुत कुछ कहा-लिखा जा चुका है। सरकार इन कानूनों को बदहाल कृषि और किसान का कायाकल्प करने वाला करिश्माई रास्ता बताती रही है तो विरोधी इन्हें किसानों को जमीन और उस पर खेती करने के अधिकार से ही वंचित कर देने वाले काले कानून करार देते रहे हैं। साल भर से जानलेवा कोरोना के कहर के बीच मौसम की भी मार झेलते हुए दिल्ली की दहलीज पर आंदोलनरत किसान भी इन कानूनों को अपने लिए दूरगामी खतरे के रूप में ही देखते हैं। प्रधानमंत्री की ताजा टिप्पणी की बात करें। शुक्रवार की सुबह कानून वापसी का ऐलान करते हुए भी उन्होंने इन्हें दीये के प्रकाश जैसा बताया और कुछ किसानों को इनके लाभ न समझा पाने को अपनी तपस्या की कमी। जाहिर है, वापसी का निर्णय लेने के बावजूद सरकार कृषि कानूनों में कुछ भी नकारात्मक नहीं देख रही। जब सरकार ने पिछले साल कोरोना के कहर के बीच ही पहले अध्यादेश जारी कर और फिर संसद में विधेयक पारित करवा कर ये कृषि कानून बनाये थे, तब भी एक स्वाभाविक प्रश्न यही उठा था कि जिन किसानों के हित के दावे के साथ ये कानून बनाये गये हैं, उनके संगठनों-प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श तक की जरूरत क्यों नहीं समझी गयी? कानून वापसी की घोषणा के समय भी प्रधानमंत्री उन्हें दीये के प्रकाश जैसा सत्य बता रहे हैं, तब भी यह स्वाभाविक प्रश्न अनुत्तरित ही है कि जिस दीये का प्रकाश उन तक ही न पहुंच सके, जिनके लिए जलाये जाने का दावा किया जा रहा है, तो उस दीये क्या औचित्य? जब किसी स्वाभाविक प्रश्न का उत्तर न दिया जाये तो लोग अपने मन-विवेक के मुताबिक उत्तर खोज ही लेते हैं, पर उसमें गलत भी क्या है? जाहिर है, किसान आंदोलन के दौरान एक दर्जन बार किसान नेताओं के साथ हुए संवाद में भी सरकार उन्हें या उनमें से कुछ को भी इन कृषि कानूनों के लाभ नहीं समझा पायी, वरना आंदोलन खत्म नहीं तो कमजोर अवश्य होता। पर हुआ क्या? सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधियों द्वारा हर तरह के सवाल-संदेह और आरोप-प्रत्यारोप के बीच, सैकड़ों किसानों की मृत्यु के बावजूद किसान आंदोलन न सिर्फ कमोबेश अहिंसक बना रहा, बल्कि स्थानीय निवासियों समेत देश-दुनिया में उसे सहानुभूति-समर्थन भी मिला। जिस देश में एक दिन का बंद भी शांतिपूर्ण न हो पाता हो, वहां प्रतिकूल परिस्थितियों में साल भर लंबा अहिंसक किसान आंदोलन अन्य आंदोलनकारियों के लिए ही नहीं, लोकतांत्रिक सत्ता और राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी एक सबक है। किसानों ने तो शुरू से ही संकेत दे दिया था कि वे लंबी लड़ाई के लिए सड़क पर आये हैं और कृषि कानून वापसी बिना घर नहीं लौटेंगे, लेकिन सरकार और उसके सिपहसालारों को शायद यह उम्मीद नहीं रही होगी कि सर्वशक्तिमान सत्ता के विरुद्ध देश की राजधानी की सीमा पर भोलेभाले किसान सुव्यवस्थित आंदोलन इतना लंबा चला पायेंगे। जाहिर है, ऐसी सोच रखने वाले सत्ता के सलाहकार मौसम और व्यवस्था की मार सहते हुए भी जीवट से खेती में जुटे रहने वाले मनमौजी किसान के मन को ही नहीं समझते। पंजाब से शुरू हुआ यह किसान आंदोलन पिछले साल नवंबर के अंतिम सप्ताह में दिल्ली की दहलीज पर पहुंचा था और मैंने दिसंबर के शुरू में ही आगाह कर दिया था कि लंबा खींच कर आंदोलन को थका कर समाप्त करवाने की सलाह देने वाले सलाहकार प्रधानमंत्री मोदी के शुभचिंतक हरगिज नहीं हैं, क्योंकि चुनाव में पराजित हताश विपक्ष इस अवसर को नहीं चूकेगा और फिर किसान आंदोलन को जन आंदोलन बनने में देर नहीं लगेगी। यह भी कि जो आंदोलन आज सिर्फ तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध है, वह पहले मोदी सरकार और फिर अंतत- भाजपा के विरुद्ध आंदोलन में तबदील हो जायेगा। खासकर हरियाणा और पंजाब में साल भर से हमें ऐसे ही दृश्य दिखायी पड़ रहे हैं कि भाजपा नेता तो छोड़िए, सरकार के मंत्री तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपने कार्यक्रम नहीं कर पाये हैं। सलाहकारों की समझ की सीमा समझी जा सकती है, लेकिन देश की राजनीतिक नब्ज पर गहरी पकड़ रखने वाले नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी से यह चूक कैसे हो गयी कि जिस किसान ने अपनी तमाम परंपरागत राजनीतिक प्रतिबद्धताएं ताक पर रख कर इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन पर कमल का बटन दबाया, उसे ही इस हद तक अपने विरुद्ध कर लिया? यही नहीं, न सिर्फ भाजपा नेताओं, बल्कि मंत्रियों तक ने आंदोलनकारियों के किसान होने पर ही सवाल उठाये और उन्हें नक्सली-खालिस्तानी तक करार दे दिया। लोकतंत्र में मतभिन्नता बुरी नहीं, बल्कि अच्छी मानी जाती है। फिर कृषि कानूनों पर मतभिन्नता पर ऐसी नकारात्मक तल्खी क्यों? यह भी भुला दिया गया कि ताप-शीत सहते हुए खुद भूखा रह कर जो किसान देश का पेट भरता है, उसी के लाड़ले तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों में सरहद पर देश की रक्षा करते हैं और शहादत भी देते हैं।

सू-दोकू नवताल -1968

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

सू-दोकू -1967 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1968

1		2		■	3		4	5	
	■		■	6		■	7		■
8	9	■	10		■	11		■	12
■	13		■	14	15		■	16	
17		■	18	■		■	19		
	■	20				■	■		■
21				■	■	22	23		24
■	■		■	25		■		■	
26	27	■	28		■	29	■	30	
■	31		■	32				■	

बायें से दायें:-

1. शाहरुख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-5
6. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-2
7. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
8. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-2
10. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-2
11. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-3
20. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
21. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-4
22. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-4
25. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
26. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-2
30. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-2
31. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-2
32. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-3
2. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-2
4. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
5. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-2
6. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-3
9. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
11. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-2
12. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-3
15. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-1,2
16. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-4
17. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-3
18. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-3
20. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-3
23. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
25. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-3
27. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-2
29. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1967

क्रि	मि	ब	ल	■	प	र	व	रि	श
श	■	ती	■	डो	र	■	र	■	मा
■	अ	जा	म	■	दे	व	दा	स	■
का	श	■	ह	व	स	■	न	म	क
ला	■	ला	ल	च	■	अ	■	झौ	■
पा	य	ल	■	न	सी	म	■	ता	ल
बी	■	कि	ला	■	आ	ला	प	■	ड़ा
■	त	ला	श	■	ई	■	रि	हा	ई
तु	म	■	■	मं	डी	■	णी	■	■
■	ना	■	रा	जू	■	गी	ता	बा	ली

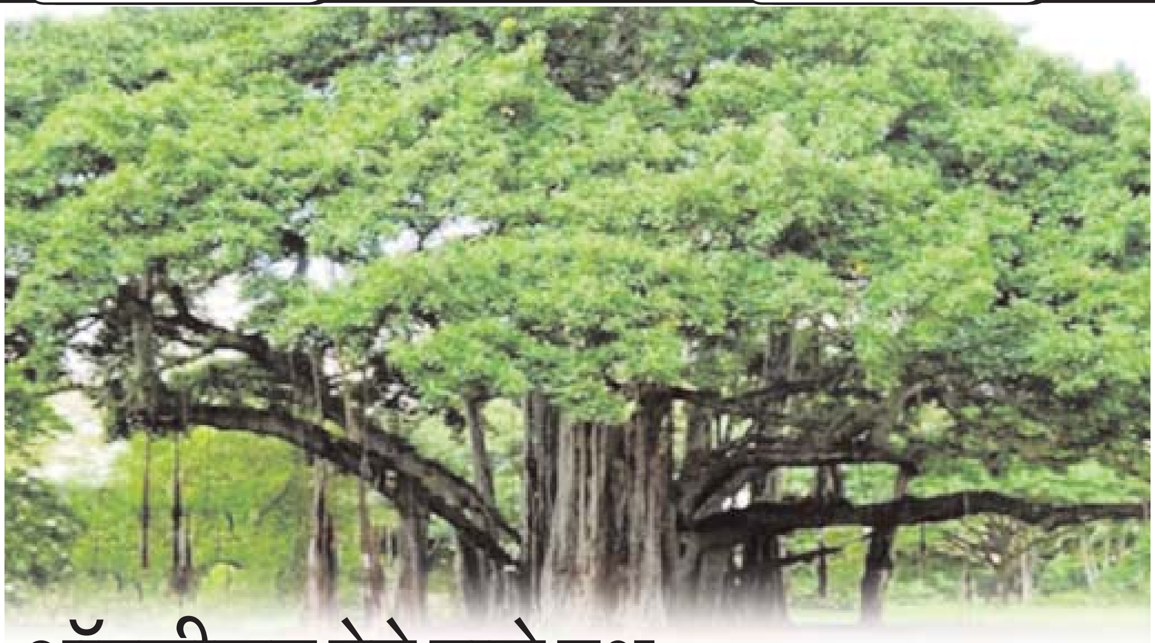

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास :** हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी :** विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

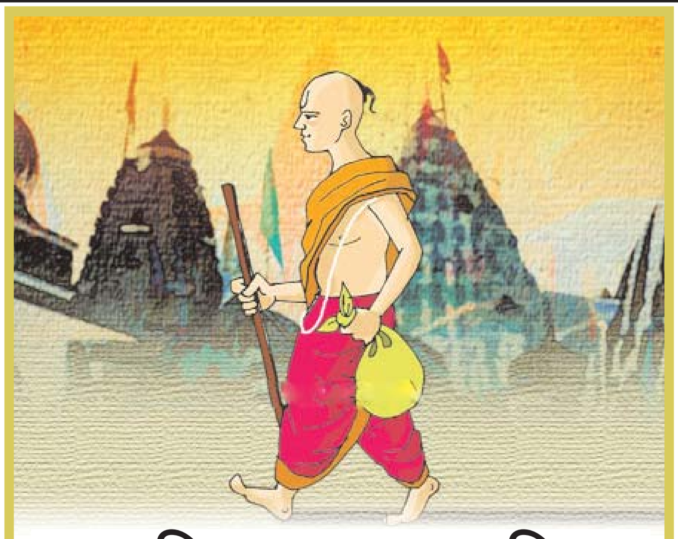

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा

जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा

देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा

जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा

जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा

जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा

जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा

जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा

अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा

मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा

भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा

जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा

एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

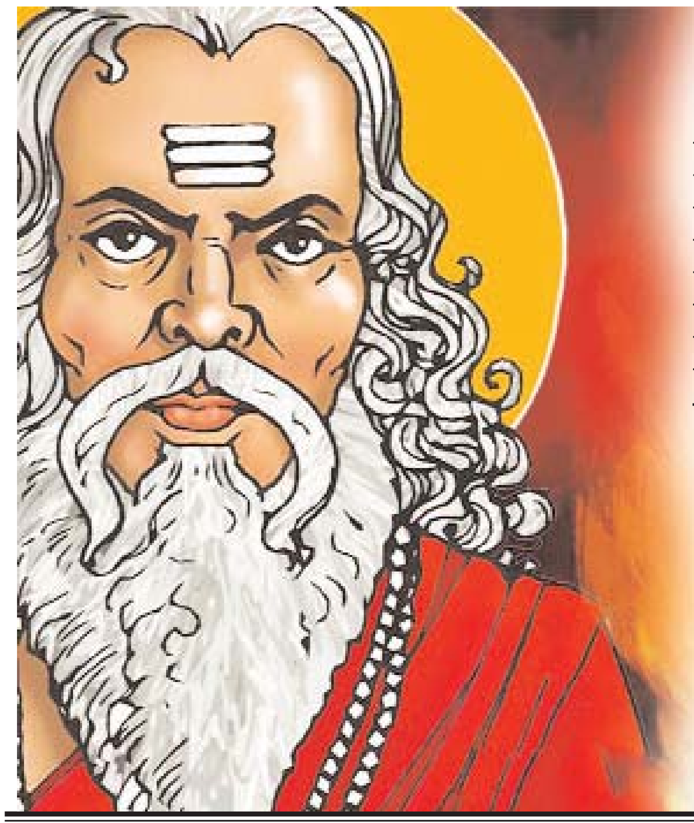

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

चालू वित्त वर्ष में टाटा टेक्नोलॉजीज को 50 करोड़ डॉलर के कारोबार की उम्मीद

नई दिल्ली

वैश्विक इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग 50 करोड़ डॉलर के कारोबार की उम्मीद है। यह कंपनी का किसी एक वित्त वर्ष में सबसे अधिक कारोबार का आंकड़ा होगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि दुनियाभर में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की बढ़ती मांग तथा कोविड-19 के बाद उसके ग्राहकों द्वारा अपनी परियोजनाओं को दूसरे गंतव्यों (ऑफशोर) के लिए देने की वजह से उसकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। महामारी की शुरुआत में कंपनी की आमदनी में तेज गिरावट आई थी। वित्त वर्ष 2020-21 के पूरे साल में कंपनी की आय 8.01 करोड़ डॉलर रही थी, जो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में ही 11.93 करोड़ डॉलर पर पहुंच चुकी है। टाटा टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक वारेन हैरिस ने कहा कि हम पिछली छह तिमाहियों से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर लगातार वृद्धि देख रहे हैं। हमें यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। कोविड-19 की शुरुआत में आमदनी में भारी गिरावट थी लेकिन अब हमारी आय वापस आ गई है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अपने इतिहास में हम पहली बार 50 करोड़ डॉलर की आय की उम्मीद कर रहे हैं।

एचएफसी का मुनाफा 7.4 फीसदी बढ़ा

मुंबई ।

ब्याज दरों में गिरावट के साथ वित्त वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही में हाउसिंग फाइनैंस कंपनियों का मुनाफा पिछले साल की समान अवधि में 7.4 प्रतिशत बढ़कर 5,014 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं 10 सूचीबद्ध एचएफसी ने जून, 2021 वित्त वर्ष 22 की पहली तिमाही में मुनाफे में 26.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है और यह 3,975 करोड़ रुपए हो गया है। ब्याज दरों में कमी और व्यवस्था में नकदी होने की वजह से पिछले साल की समान अवधि की तुलना में ब्याज में 10.9 प्रतिशत की कमी आई है और यह 13,528 करोड़ रुपए रहा है। क्रमिक आधार पर भी इसमें 0.3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है जो जून में 13,567 करोड़ रुपए था। उनकी कुल परिचालन आमदनी (एनओआई) पिछले साल की समान अवधि की तुलना में वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में 15.1 प्रतिशत बढ़कर 8,947 करोड़ रुपए हो गई है लेकिन एनओआई में वृद्धि तुलनात्मक रूप से इसके पहले की तिमाही की तुलना में 4.4 प्रतिशत है, जो जून, 2021 तिमाही में 8,572 करोड़ रुपए था। प्रॉविजन और राइट-ऑफ से दबाव वाली और मानक संपत्तियों के लिए अलग से धन रखने के बोझ के संकेत मिलते हैं, इसमें वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 33.9 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है और यह 1,380 करोड़ रुपए हो गया है। वित्त वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में यह राशि 1,031 करोड़ रुपए थी।

अमेरिका से जेनेरिक दवा की एक लाख बोतलें वापस लेगी सन फार्मा

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख फार्मा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह अमेरिकी बाजार से पुरुषों में स्तंभन दोष (इरेक्टाइल डिसफंक्शन) के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली जेनेरिक दवा की 1.10 लाख से अधिक बोतलों को बाजार से वापस लेगी। कंपनी ने विनिर्माण खामी की वजह से यह कदम उठाया है। अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार घरेलू फार्मा कंपनी की अमेरिकी इकाई बाजार से टाडालाफिल टैबलेट को वापस लेगी। मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी 5 एमजी और 20 एमजी की क्षमता वाली दवाओं को वापस लेगी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि कंपनी 5 एमजी वाली दवा की 73,957 बोतलें और 20 एमजी वाली 36,786 बोतलें वापस लेगी।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण आंकड़ा 8.43 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण का आंकड़ा 8.43 करोड़ पर पहुंच गया है। इसमें से 6.77 करोड़ या 80.24 प्रतिशत पंजीकरण साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के जरिये हुए हैं। ई-श्रम पोर्टल को परिचालन में आए तीन माह हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की आपूर्ति के लिए पहुंच के केंद्र सीएससी पंजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देश के गांवों में विभिन्न प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं की आपूर्ति के लिए पहुंच का बिंदु साझा सेवा केंद्र हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 19.66 प्रतिशत या 1.65 करोड़ असंगठित श्रमिकों ने पोर्टल पर खुद पंजीकरण कराया है। हालांकि, राज्य सेवा केंद्रों के जरिये पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले श्रमिकों की संख्या सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। सीएससी एसपीवी के प्रबंध निदेशक दिनेश त्यागी ने कहा कि ई-श्रम पंजीकरण के लिए ऐसे पात्र श्रमिकों को जुटाना, इस योजना के बारे में बताना और तकनीकी समर्थन जरूरी है। उन्होंने बताया कि साझा सेवा केंद्र इस बारे में शिविर आयोजित करने में भी राज्य सरकारों की मदद कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि सीएससी श्रमिक कल्याण का केंद्र बनें और प्रत्येक कामगार को केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं का लाभ मिल सके।

ई-श्रम
श्रमेव जयते
असंगठित कामगारों का राष्ट्रीय डेटाबेस

हिन्दुस्तान जिंक की देबारी व चंदेरिया इकाई को फाइव स्टार रेंटिंग

उदयपुर। ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल की ओर से कराए गए व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा ऑडिट में हिन्दुस्तान जिंक की देबारी और चंदेरिया इकाइयां को फाइव स्टार रेंटिंग प्राप्त हुई है। हिन्दुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त करने पर बहुत उत्साहित हूं। हमारी टीम लगातार अपने कार्यस्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने सम्बन्धी समुचित प्रयास और नवाचार कर रही है। यह रेटिंग उन्हें प्रमाणित करती है। सुरक्षा मापदण्डों की उचित पहचान के लिए हिन्दुस्तान जिंक मानक सिद्ध हुआ है। हिन्दुस्तान जिंक हमेशा सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध रहा है। चन्देरिया जिंक स्मेल्टर काम्पलेक्स और जिंक स्मेल्टर देबारी इकाई ने सुरक्षा प्रथाओं को लागू करने के लिए बेस्ट प्रेक्टिसेज लागू की है। ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल की नीति एवं तकनीकी सेवा निदेशक डेविड पार का कहना है कि हमारे व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा ऑडिट के बाद फाइव स्टार रेटिंग का पुरस्कार एक उत्कृष्ट उपलब्धि है और यह एक सक्रिय संगठन का प्रतीक है जो अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। हिंदुस्तान जिंक को इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है।

सरकार बेचेगी एमटीएनएल और बीएसएनएल की संपत्तियां

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों एमटीएनएल और बीएसएनएल की अचल संपत्तियों को लगभग 970 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया है। यह जानकारी निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए दस्तावेजों से मिली है। बीएसएनएल की संपत्तियां हैदराबाद, चंडीगढ़, भावनगर और कोलकाता में स्थित हैं, और बिक्री के लिए इनका आरक्षित मूल्य 660 करोड़ रुपए है। दीपम की वेबसाइट पर मुंबई के गोरेगांव के वसारी हिल में स्थित एमटीएनएल संपत्तियों को लगभग 310 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया है। इसी तरह ओशिवारा में स्थित एमटीएनएल के 20 फ्लैटों को भी कंपनी के एसेट मॉनेटाइजेशन प्लान के हिस्से के रूप में बिक्री के लिए रखा गया है। इनका आरक्षित मूल्य 52.26 लाख रुपए से लेकर 1.59 करोड़ रुपए तक है। फ्लैट्स में 1 रूम सेट वाली 2 यूनिट, 1 बीएचके वाली 17 यूनिट और 2 बीएचके वाली 1 यूनिट है। एमटीएनएल की संपत्तियों की ई-नीलामी 14 दिसंबर को होगी। जानकारी के मुता बिक बीएसएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार का कहना है कि यह एमटीएनएल और बीएसएनएल में एसेट मॉनेटाइजेशन का पहला चरण है। बीएसएनएल की 660 करोड़ रुपए की संपत्ति और एमटीएनएल की 310 करोड़ रुपए की संपत्ति के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। हमारी योजना पूरी प्रक्रिया को डेढ़ महीने के भीतर पूरा करने की है। एसेट मॉनेटाइजेशन, एमटीएनएल और बीएसएनएल के लिए 69,000 करोड़ रुपए की पुनरुद्धार योजना का हिस्सा है जिसे सरकार ने अक्टूबर 2019 में मंजूरी दी थी। सार्वजनिक क्षेत्र की इन दोनों फर्मों को 2022 तक 37,500 करोड़ रुपए की संपत्ति की पहचान और मॉनेटाइजेशन करना था। पुरवार ने कहा कि हम एसेट मॉनेटाइजेशन के लिए बाजार की मांग के अनुसार आगे बढ़ेंगे।

मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली ।

शादी-विवाह तथा सर्दी के मौसम की मांग में बढ़ोतरी होने से बीते सप्ताह देश के प्रमुख तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सीपीओ और पामोलीन सहित लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के भाव बढ़ने के बाद पॉल्ट्री मिलों की मूंगफली डीओसी की मांग बढ़ी है। इसके अलावा बिनौला के भाव में सुधार होने से भी मूंगफली की मांग है। इस वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 305 रुपए बढ़कर 9,070-9,100 रुपए प्रति क्विंटल हो गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,770-8,795 रुपए प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 470 रुपए सुधरकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 17,870 रुपए क्विंटल हो गया। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमत 80-80 रुपए सुधरकर क्रमशः 2,760-2,785 रुपए और 2,840-2,950 रुपए प्रति टिन हो गई। सुधार के आम रुख के अनुरूप सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की स्थानीय मांग के बीच समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 500 रुपए और 650 रुपए सुधरकर क्रमशः 6,250-6,300 रुपए और 6,175-6,225 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 300 रुपए, 230 रुपए और 300 रुपए का सुधार के साथ क्रमशः 13,650 रुपए, 13,230 रुपए और 12,050 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

इस दौरान बिनौला तेल के भाव में सुधार होने के बाद मंडियों में मांग बढ़ने से मूंगफली का भाव समीक्षाधीन सप्ताहांत में 100 रुपए सुधरकर 6,100-6,185 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल गुजरात का भाव 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर यथावत बंद हुआ। जबकि मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड का भाव पांच रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,975-2,100 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 400 रुपए के सुधार के साथ 11,500 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 260 रुपए के लाभ के साथ 13,010 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन कांडला तेल का भाव 170 रुपए सुधरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का भाव 640 रुपए के सुधार के साथ 12,560 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ।

मारुति डीजल खंड में वापसी नहीं करेगी, पेट्रोल कारों को बेहतर बनाएगी

कंपनी ने कहा, उत्सर्जन मानकों के अगले चरण से डीजल वाहनों की लागत बढ़ेगी, जिससे बाजार में उनकी बिक्री और घटेगी

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा है कि उसकी डीजल खंड में वापसी की संभावना नहीं है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि 2023 में उत्सर्जन मानकों के अगले चरण की शुरुआत के साथ ऐसे वाहनों की बिक्री में और कमी आएगी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी का मानना है कि उत्सर्जन मानकों के अगले चरण से डीजल वाहनों की लागत बढ़ जाएगी, जिससे बाजार में उनकी बिक्री और घटेगी। इसी कारण से पिछले कुछ साल के दौरान पेट्रोल कारों की ओर स्थानांतरण देखा जा रहा है। मारुति सुजुकी इंडिया के मुख्य तकनीकी अधिकारी सीवी रमन ने कहा कि हम डीजल क्षेत्र में नहीं जा रहे हैं। हमने पहले संकेत दिया था कि हम इसका अध्ययन करेंगे और ग्राहकों की मांग होगी तो हम वापसी कर सकते हैं। लेकिन हम इसमें लौटने नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे सख्त उत्सर्जन नियम लागू होने जा रहे हैं। यह एक प्रमुख वजह है कि कंपनी डीजल कारों से बचना चाह रही है। उन्होंने कहा कि 2023 में उत्सर्जन मानदंडों का नया चरण आएगा जिससे लागत बढ़ने की संभावना है। इसलिए हम मानते हैं कि डीजल वाहनों के प्रतिशत में और कमी आ सकती है। हम प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं जानते हैं, लेकिन मारुति का इसमें भाग लेने का कोई इरादा नहीं है। उद्योग के अनुमान के अनुसार, डीजल वाहनों की हिस्सेदारी वर्तमान में कुल यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री में 17 प्रतिशत से भी कम है। यह 2013-14 की तुलना में भारी गिरावट है, जब कुल बिक्री में डीजल कारों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत थी। एक अप्रैल, 2020 से भारत चरण-छह (बीएस-छह) उत्सर्जन दौर की शुरुआत के साथ देश में कई वाहन विनिर्माताओं ने अपने संबंधित पोर्टफोलियो में डीजल मॉडलों को कम कर दिया है। मारुति ने तो भारत चरण-छह मानक लागू होने के साथ अपने पोर्टफोलियो में डीजल मॉडल को बंद कर दिया था। कंपनी की संपूर्ण मॉडल श्रृंखला में अभी बीएस-छह अनुपालन वाले एक लीटर, 1.2 लीटर और 1.5 लीटर वाले पेट्रोल मॉडल हैं। इसके अलावा कंपनी अपने सात मॉडलों में सीएनजी संस्करण की भी पेशकश करती है। रमन ने कहा कि कंपनी ईंधन दक्षता के मामले में अपने मौजूदा पेट्रोल पावरट्रेन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि अपने मौजूदा पावरट्रेन में सुधार करेंगे। सेलेरियो में नया के10-सी इंजन इस सुधार का एक उदाहरण है। इसी तरह 1.2 लीटर के इंजन में भी कुछ बदलाव हुआ है।

हार्पिक मिशन पानी ने वर्ल्डन टॉयलेट डे पर लॉन्च किया सतत स्वच्छता के लिए भारत की पली प्रस्तावना

हार्पिक मिशन पानी ने वर्ल्डक टॉयलेट डे पर मिशन पानी सैनीटेशन फोरम में माननीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द् 'सिंह शेखावत और पांच प्रमुख महिला लीडर्स – कौसर मुनीर (गीतकार), सविता पुनिया (भारतीय हॉकी खिलाड़ी), स्मृ ति मंधाना (भारतीय क्रिकेटर), भाविना पटेल (भारतीय पैरा एथलीट और टैबल टेनिस खिलाड़ी) और लवलीना बोरगोहेन (भारतीय बॉक्सभर, ओलंपियन) के साथ भारत के पहले 'सभी के लिए स्वसच्छ ता प्रतिज्ञा और प्रस्ता)वना- स्विच्छ् जल, सतत स्वतच्छता ' को पेश किया।

इस कार्यक्रम में माननीय उपराष्ट पति श्री एम वेंकैया नायडू द्वारा अपनी तरह की पहली कॉफी ट-ैबल बुक '101 प्रेरणादायी कहानियां' का भी अनावरण किया गया। यह पुस्तनक भारत में सफाई कर्मचारियों की उम्मीचदों और प्रेरणा की कहानियों का प्रदर्शन करती है। इंटेग्रेटेड हेल्थ। एंड वेलबीइंग काउंसिल द्वारा संकलित यह पुस्त्क उन कर्मचारियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने हमारी सफाई और स्वेच्छिता जरूरतों का ध्यासन रखते हुए एक साफ और अधिक स्व च्छल वातावरण बनाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डाला। ये कहानियां उन लोगों की है, जिन्होंने अपने जीवन को हाथ से मैला ढोने से अधिक सम्माअनजनक आजीविका में बदला है। स्वनच्छल भारत मिशन और संयुक्त राष्ट्री के सतत विकास लक्ष्योंं के अनुरूप, हार्पिक मिशन पानी जागरूकता बढ़ाने और संगठित कार्रवाई करने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो 'कोई भी पीछे न छूटे' की भावना को सुनिश्चित करता है। समावेशी स्व च्छलता के लिए भारत की पहली प्रस्ता्वना सामूहिक रूप से एक समावेशी ईकोसिस्टतम को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है, जो एक स्वलच्छ और स्वकस्थस दुनिया का निर्माण करने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की आवश्येकता की पुष्टि करता है।

गौरव जैन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, साउथ एशिया, रेकिट ने कहा, "रेकिट की लड़ाई, उच्च तम गुणवत्तास की सफाई, स्वा स्थ्न और पोषण तक आसान पहुंच को एक मूलभूत अधिकार बनाना है, न कि यह कोई विशेषाधिकार है। आज, वर्ल्डै टॉयलेट डे पर, हम जल आपूर्ति और स्वकच्छ ता प्रावधान तक पहुंच को सक्षम बनाने के लिए ईकोसिस्टजम का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं, जो गरीबी उन्मूधलन के लिए जरूरी है। हम स्वषच्छल जल और स्व्च्छअता के लिए भारत की पहली प्रस्तारवना को कायम रखने का संकल्पल लेने के लिए पूरे देश को एक साथ ला रहे हैं। स्वच्छ जल और स्व च्छ् शौचालय का मतलब है एक स्व्स्थप राष्ट्, इसे देश के विकास में सबसे महत्व्पूर्ण मानवाधिकार घटकों में से एक के रूप में अपनाया जाना चाहिए।"

विशाल फैब्रिक्स का अगले दो साल में 2,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

विशाल फैब्रिक्स घरेलू बाजार में विस्तार और निर्यात के साथ डेनिम उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता के बीच अगले दो वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके अलावा कंपनी अन्य बाजारों में भी संभावनाएं तलाश रही है। अहमदाबाद की डेनिम कंपनी विशाल फैब्रिक्स के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विजय थडानी ने कहा कि कंपनी डेनिम उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनी मौजूदा क्षमता में भी निवेश कर रही है। इससे कंपनी बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के अलावा नए निर्यात बाजारों में भी प्रवेश कर सकेगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियां काफी अच्छी रही हैं और कंपनी ने 697 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया है। अन्य कंपनियों की तरह 10,000 करोड़ रुपए के चिरिपाल समूह की कंपनी विशाल फैब्रिक्स का कारोबार भी कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुआ था। थडानी ने कहा कि इस साल हम पहले ही 700 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल कर चुके हैं। वित्त वर्ष के दौरान हमारा 1,400 से 1,500 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य है। अगले वित्त वर्ष में हमारा 1,600 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य रहेगा। वित्त वर्ष 2023-24 तक विशाल फैब्रिक्स 2,000 करोड़ रुपए के कारोबार वाली कंपनी होगी। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी का कारोबार 967.54 करोड़ रुपए रहा था। वहीं महामारी से पहले 2019-20 में कंपनी का कारोबार 1,294.84 करोड़ रुपए रहा था।

VISHAL FABRICS LTD

अमेज़न ग्लोबल सेलिंग पर भारतीय निर्यातक 2021 ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे सेल्स के लिए लैस

बेंगलुरू – अमेज़ॅन इंडिया ने आज घोषणा की कि उसके वैश्विक बिक्री कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 70,000 से अधिक भारतीय निर्यातकों से वार्षिक ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे (बीएफसीएम) बिक्री में अपने लाखों मेड इन इंडिया उत्पादों को प्रदर्शित करने की उम्मीद है। वैश्विक ग्राहकों के लिए। भारतीय निर्यातक आगामी छुट्टियों के मौसम के लिए अमेज़न की वैश्विक वेबसाइटों पर 52,000 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च कर रहे हैं। ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे सेल गुरुवार 25 नवंबर से शुरू होगी और सोमवार 29 नवंबर को खत्म होगी। दुनिया भर में अमेज़न के ग्राहक भारत भर के निर्यातकों से होम एंड किचन, स्टेम टॉयज, अपैरल, हेल्थ एंड पर्सनल केयर, ऑफिस प्रोडक्ट्स, ज्वैलरी, ब्यूटी और फर्नीचर सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का लाभ उठा सकेंगे। ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे संयुक्त राज्य अमेरिका में छुट्टियों के मौसम की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है, जिसके दौरान उपभोक्ता घरेलू उपयोग के लिए वस्तुओं और दोस्तों और परिवार के लिए उपहार की तलाश करते हैं।

Amazon भारतीय निर्यातकों को छुट्टियों की खरीदारी के प्रमुख रुझानों की पहचान करने, प्रासंगिक उत्पाद पेश करने, उन्हें इन्वेंट्री के लिए तैयार रखने के लिए लॉजिस्टिक्स समाधानों पर सहयोग करने और विभिन्न सौदों और विज्ञापन विकल्पों के माध्यम से अपने उत्पादों की बिक्री के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए काम करता है।

अमेज़ॅन इंडिया के ग्लोबल ट्रेड डायरेक्टर अभिजीत कामारा ने कहा, "बीएफसीएम बिक्री वैश्विक छुट्टियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।" भारत में त्योहारों के मौसम के बाद, यह परंपरागत रूप से हमारे बिक्री भागीदारों के लिए विकास का एक महत्वपूर्ण समय रहा है। विश्व स्तर पर उत्पादों के लिए ई-कॉमर्स पर अधिक लोगों के निर्भर होने के कारण, हमारा मानना है कि 2021 की बीएफसीएम बिक्री अवधि हमारे विक्रेताओं को अपने निर्यात कारोबार में तेजी लाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स निर्यात भारतीय एमएसएमई के लिए प्रवेश की बाधाओं को कम करता है ताकि वे अपना निर्यात व्यवसाय स्थापित करके अपने स्तर को बढ़ा सकें। अमेज़ॅन ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से, हम भारत भर में एमएसएमई के लिए निर्यात को आसान और अधिक सुलभ बनाना जारी रखेंगे और निर्यात बढ़ाने के सरकार के दृष्टिकोण में योगदान देंगे।"

पॉलीकैब के 'डांस ऑफ जॉय' टीवीसी में 'हैप-हैप-हैप्पी, ये दिल है फ्री' ट्यून पर थिरके आयुष्मान खुराना

भारत के अग्रणी एफएमईजी (फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स) ब्रांड पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड ने युवा दिलों की धड़कन अभिनेता व गायक आयुष्मान खुराना के साथ अपने नए मास्टरब्रांड अभियान को लॉन्च किया। इस टीवी कैम्पेन में म्यूजिक के जरिए दर्शाया गया है कि कैसे पॉलीकैब प्रोडक्ट की रेंज का उपयोग करने वाले उपभोक्ता खुद को आजाद और मस्त महसूस करते हैं। रोजमर्रा के एक दिन की पृष्ठभूमि में इस टीवी कैम्पेन में लोगों को 'हैप-हैप-हैप्पी, ये दिल है फ्री' जिंगल की धुन पर मस्त होकर नाचते हुए दिखाया गया है, आयुष्मान खुराना अलग-अलग कोरियोग्राफ किए गए मूव्स कर रहे हैं। यह कैम्पेन दर्शकों को एक आकर्षक तरीके से पॉलीकैब उत्पादों के फ्रेम शॉट से अंतत: उपभोक्ताओं के जीवन में पॉलीकैब उत्पादों के पैमाने और प्रभाव को दर्शाता है। नए कैम्पेन में पॉलीकैब के विशिष्ट उपभोक्ता-केंद्रित उत्पादों की एक श्रृंखला शामिल है, जिसमें एलईडी लाइट्स, पंखे, स्मार्ट होम-ऑटोमेशन, ग्रीनवायर से लेकर केबल तक शामिल हैं, वहीं इस दौरान दर्शक गीत-संगीत और नृत्य से भी बंधे रहते हैं।

https://youtu.be/LpNWN0722-E

पॉलीकैब इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर नीलेश मालानी ने कहा, 'पॉलीकैब का मास्टरब्रांड अभियान 'डांस ऑफ जॉय' हमारे उत्पादों की रेंज जैसे पंखे, एलईडी लाइट्स, वायर्स और स्मार्ट होम ऑटोमेशन के साथ उपभोक्ताओं के जुड़ाव को दर्शाता है। यह न्यू-एज ब्रांड कम्युनिकेशन भारतीय उपभोक्ताओं के दैनिक जीवन में ब्रांड की प्रासंगिकता और लाभों को प्रभावी ढंग से बताने के लिए म्यूजिक का इस्तेमाल करता है। उपभोक्ता को केंद्र में रखते हुए यह विज्ञापन खुशी और मस्ती के पलों पर सवार है। विज्ञापन एजेंसी आरके स्वामी बीबीडीओ की प्रेसिडेंट और एनसीडी संगीता एन. ने कहा, 'बेस्ट-इन-क्लास उत्पादों की पॉलीकैब रेंज उपभोक्ताओं से जीवनभर जुड़े रहने के अपने ब्रांड वादे को पूरा करती है। 'डांस ऑफ जॉय' कैम्पेन में आयुष्मान खुराना उपभोक्ताओं के इस आनंदमय और सुखद अनुभव को कैप्चर करते हैं।' टीवीसी को डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विभिन्न चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा।

महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लेने वाली 3 खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

हरारे। महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लेने वाली श्रीलंका टीम की तीन खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। इस बारे में आईसीसी ने रविवार को जानकारी दी है। इन तीनों खिलाड़ियों को आइसोलेशन में रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, बायो बबल प्रोटोकॉल के अनुसार, एक खिलाड़ी में कोविड लक्षण दिखने के बाद सभी टीम के सदस्यों की जांच की थी, जिसके बाद कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि की गई। आईसीसी ने यह भी कहा कि बाकी श्रीलंकाई टीम के सदस्यों की रिपोर्ट निगेटिव आई है, लेकिन एहतियात के तौर इनको पर अलग-थलग कर दिया गया है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में मंगलवार को नीदरलैंड के खिलाफ मैच से पहले बाकी खिलाड़ियों की फिर से कोरोना टेस्ट की जाएगी। आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने कहा, यह आयोजन योजना के अनुसार आगे बढ़ेगा। हमारे पास इस टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्य हैं, जो चोटों और बीमारी के कारण बाहर होने पर भी प्रबंध किया जा सकता है।

कानपुर में पहले टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कानपुर।

कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए है। कमिश्नरेट पुलिस ने मैदान से लेकर खिलाड़ियों के ठहरने वाले स्थान को मजबूत सुरक्षा घेरे मे रखा हुआ है और 11 चक्रीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। सुरक्षा के लिए दो डीसीपी स्तर के अधिकारियों को इसका जिम्मा दिया गया है ताकि किसी भी प्रकार की चूक होने की संभावना न बचे। मैदान के अंदर से लेकर बाहर व होटल तक खुफिया नजरें पूरे आयोजन पर लगी हुई है। बीसीसीआई की तरफ से यूपीसीए के वेन्यू डायरेक्टर संजय कपूर तथा सिक्योरिटी इंचार्ज मेजर एस बी सिंह नियुक्त किए गए हैं। टीम इंडिया के 10 खिलाड़ी यहां पहुंच चुके है जबकि शेष खिलाड़ी और न्यूजीलैंड टीम के सभी खिलाड़ी 22 नवंबर को शहर आएंगे। कानपुर में 23 नवंबर तथा 24 नवंबर का दिन अभ्यास के लिए निर्धारित किया गया है जिसमें दोनों टीम के अभ्यास का समय सुबह 10ः00 से 1ः00 तक व शाम 2ः00 से 5ः00 तक का समय दिया गया है जिसमें दोनों टीमें अलग-अलग समय पर नेट प्रैक्टिस करेंगे। ग्रीन पार्क की व्यवस्था को 11 जोन में विभाजित किया गया है प्रत्येक जोन का इंचार्ज एडिशनल डीसीपी या एसीपी स्तर के अधिकारी को बनाया गया है। ग्रीनपार्क मैदान को 11 जोन में बांटा गया है जिसमें एक इनर और आउटर कार्डन बनाए गए हैं।इनर कार्डन को 1 से 5 तक तथा ग्रीन पाक के आउटर कार्डन को तीन जोन 6,7,8 में बांटा गया है। ग्रीन पार्क के बाहर यातायात को सुचारू रूप से चलाने /पार्किंग आदि की व्यवस्था को सही रखने जोन 9 और 10 में तथा खिलाड़ियों के ठहरने के स्थान होटल लैंडमार्क को जोन नंबर 11 बनाया गया है। मैच के लिए डीसीपी रैंक के दो, एडीसीपी 10, एसीपी 16 तैनात किये गये है। इसके अलावा 68 इंस्पेक्टर, 324 एस आई, 12 महिला उपनिरीक्षक और 1369 हेड कांस्टेबल / कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई जाएगी।

ज्योफ एलार्डिस संभालेंगे ICC के CEO का पद

दुबई।

आठ महीने से अधिक समय तक अंतरिम आधार पर कार्यकारी सीईओ की भूमिका निभाने के बाद ज्योफ़ एलार्डिस को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का पूर्णकालिक सीईओ नामित किया गया है। एलार्डिस ने मार्च में मनु साहनी के निलंबित होने के बाद इस पद को संभाला था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर एलार्डिस ने इससे पहले आठ साल तक आईसीसी के महाप्रबंधक (क्रिकेट) के रूप में काम किया था। उन्होंने पहले भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इसी तरह की भूमिका निभाई थी। एलार्डिस ने कहा कि मेरा निरंतर ध्यान हमारे खेल के लिए सही काम करने और दीर्घकालिक सफलता के साथ इस खेल को स्थिरता प्रदान करने के लिए सदस्यों के साथ मिलकर काम करने पर होगा। मैं पिछले आठ महीनों में अपनी प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आईसीसी कर्मचारियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं और मैं इस तरह की प्रतिभाशाली टीम के साथ क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहता हूं। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बाकर्ली ने कहा कि मुझे खुशी है कि ज्योफ़ स्थाई आधार पर इस भूमिका को निभाने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 में बेहद चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान जबरदस्त नेतृत्व दिखाया है। ज्योफ़ को वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य और इसके हितधारकों का बेजोड़ ज्ञान है और उन्होंने इसे लगातार प्रदर्शित किया है कि वह अगले दशक के लिए खेल को एक सकारात्मक आकार देने के लिए हमारे सदस्यों के साथ साझेदारी में काम करने के लिए सही व्यक्ति हैं। साहनी को पहली बार मार्च में आईसीसी द्वारा छुट्टी पर जाने के लिए कहा गया था। आईसीसी बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय के बाद जुलाई में उन्हें आधिकारिक तौर पर उनकी भूमिका से हटा दिया गया था।

मेस्सी ने फ्रेंच लीग में पेरिस सेंट जर्मेन के लिए दागा पहला गोल

पेरिस।

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेस्सी ने फ्रेंच लीग में पेरिस सेंट जर्मेन के लिए पहला गोल दागा जबकि किलियान एमबापे ने अपने करियर का सबसे तेज गोल करने की उपलब्धि हासिल की जिससे क्लब ने नानतेस पर 3-1 से जीत दर्ज की। मेस्सी ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की जीत में एमबापे के पास से 87वें मिनट में गोल किया। इन गर्मियों में बार्सिलोना छोड़कर पीएसजी से जुड़े मेस्सी अपनी नयी टीम के लिये चैम्पियंस लीग में तीन गोल कर चुके हैं लेकिन लीग 1 में पिछले पांच मुकाबलों में वह गोल नहीं कर पाए थे। नौ बार की चैम्पियन पीएसजी ने रेनेस पर 12 अंक की बढ़त बना ली है जो मोंटपेलियर पर 2-0 की आसन जीत से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

एटीपी फाइनल्सः ज्वेरेव ने जोकोविच को ट्रॉफी जीतने से रोका, सेमीफाइनल में दी शिकस्त

तूरिन।

एलेक्जैंडर ज्वेरेव ने इस साल लगातार दूसरी बार नोवाक जोकोविच को बड़ी ट्राफी जीतने से रोक दिया। उन्होंने शनिवार को एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जोकोविच को 7-6 (4), 4-6, 6-3 से शिकस्त दी। अब ज्वेरेव का सामना रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरी रैंकिंग के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा। तोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव ने शीर्ष रैंकिंग के जोकोविच को हराया था। ज्वेरेव ने जीत के बाद कहा, 'हर बार जब हम एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो यह बहुत ही उच्च स्तर का मुकाबला होता है।' उन्होंने कहा, 'इस साल हम पांच बार एक दूसरे से खेले हैं। हर बार हम कई घंटों तक खेले हैं।' इस नतीजे का मतलब है कि जोकोविच शीर्ष आठ खिलाड़ियों के सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के रिकार्ड छह खिताब की बराबरी नहीं कर सकेंगे। कम से कम इस साल तो नहीं। जोकोविच 20 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतकर रोजर फेडरर और राफेल नडाल की बराबरी पर हैं। ज्वेरेव ने जोकोविच के बारे में कहा, 'वह सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि लोग कभी कभार इसे भूल जाते हैं।' अमरीकी ओपन के चैम्पियन मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में पहली बार क्वालीफाई करने वाले कैस्पर रूड को 6-4, 6-2 से हराया था। मेदवेदेव ने ज्वेरेव के खिलाफ पिछली पांच भिड़ंत में जीत हासिल की है। युगल स्पर्धा के फाइनल में राजीव राम और जो सालिसबरी का सामना पिएरे ह्यूजेस हर्बर्ट और निकोलस महूत की जोड़ी से होगा।

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल शूटिंग : पंजाब के विजयवीर और उदयवीर सिंधु ने जीता स्वर्ण और रजत पदक

नई दिल्ली। पिस्टल शूटिंग में पंजाब के विजयवीर और उदयवीर सिंधु ने रविवार को यहां नई दिल्ली में डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जूनियर की 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अपने राज्य को अंक तालिका में टॉप पर पहुंचा दिया। विजयवीर ने 587 पॉइंट बनाकर उदयवीर को एक अंक से हरा दिया। वहीं, हरियाणा के शिवा नरवाल 582 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पंजाब की टीम ने इसी प्रतियोगिता में एक और स्वर्ण पदक जीता, जिसमें राजकंवर सिंह संधू (577), फतेहजीत सिंह (571) और अमनप्रीत सिंह (569) की तिकड़ी ने मिलकर 1717 के कुल स्कोर के साथ हरियाणा के 1715 अंको को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली को एक जीत के साथ कांस्य पदक मिला। हरियाणा ने दिन में एकमात्र स्वर्ण जूनियर पुरुष 25 मीटर पिस्टल की सिविलियन प्रतियोगिता में जीता, क्योंकि अभिमन्यु यादव, समीर और जतिन ने पंजाब टीम को हरा दिया।

गेंदबाजों की हालत को लेकर इयान चैपल ने जताया अफसोस

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने इस बात पर अफसोस जताया है कि बेहतर बल्ले और छोटी बाउंड्री के संयोजन से गेंदबाज अब बोलिंग मशीन बनकर रह गए हैं। उन्होंने खेल के प्रशासकों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि टी20 प्रारूप में मुख्य रूप से ओस के कारण टॉस पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रशासकों को बल्ले और गेंद दोनों के बीच संतुलन बनाने के तरीके खोजने के साथ क्रिकेट के मूल्यों के बारे में प्रशंसकों को बताने की जरूरत है। यह ठीक है जब कोई खिलाड़ी अच्छी गेंदों पर शॉट लगाते है लेकिन गेंदबाजों को गुस्सा तब आता है जब अच्छी गेंदों पर भी किसी तरह से गेंद बांउड्री पार हो जाती है। यह समस्या बड़े ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर देखने को नहीं मिलती है। चैपल ने रविवार को ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, यह संयोजन गेंदबाजों के लिए परेशानी का सबब है, इसे तुरंत सुधारने की जरूरत है। साथ ही, चैपल का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का पहली बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने में टॉस का अहम रोल रहा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने वाली 'भारत ए' टीम में शामिल हुए चाहर और किशन

कोलकाता।

तेज गेंदबाज दीपक चाहर और युवा बल्लेबाज ईशान किशन भारत ए टीम के चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएंगे। गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल की अगुवाई में इस दौर की शुरुआत 23 नवंबर से होगी। भारतीय टीम दौरे पर तीन मैचों की श्रृंखला खेलेगी, जिसके सभी मुकाबले ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। चाहर और ईशान इस समय न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के लिए कोलकाता में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के खत्म होने के बाद वे 23 नवंबर को ए टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका रवाना होंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा, 'हां, दीपक और ईशान को टीम में शामिल किया गया है। वे कोलकाता में मैच खत्म करेंगे और दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होने से पहले ए टीम के साथ जुड़ेंगे। समझा जाता है कि ईशान को इसलिए भेजा जा रहा है क्योंकि चेतन शर्मा की अगुआई वाली समिति ने इस दौरे के लिए गलती से सिर्फ एक विकेटकीपर रेलवे के उपेंद्र यादव को ही चुना था। बोर्ड के एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'टीम को एक दूसरे कीपर की भी जरूरत थी और ईशान सबसे बेहतर विकल्प है। वह अब शायद इस काम के लिए पहली पसंद होगा।'

दीपक ने लाल गेंद (टेस्ट) से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन गेंद को स्विंग कराने की उनकी क्षमता के कारण चयनकर्ता उन्हें व्यस्त रखना चाहते हैं।

आईसीसी ने 200 वें टेस्ट मैच में रेफरी बनने पर रंजन मदुगले को दी बधाई

गाले। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और मैच रेफरी के रूप में 200 टेस्ट मैच पूरे करने पर रंजन मदुगले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को बधाई दी। वह एलीट पैनल के मुख्य रेफरी के रूप में भी काम करते हैं। उन्होंने गाले में श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच चल रहे पहले टेस्ट में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि पर मदुगले को श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी), आईसीसी की ओर से एसएलसी के उपाध्यक्ष डॉ जयंत धर्मदास और एसएलसी के सीईओ एशले डी सिल्वा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। 200 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करने के अलावा, मदुगले ने 369 वनडे और 125 टी20 मैचों में रेफरी की भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उन्होंने 14 महिला वनडे और आठ महिला टी20 में मैच रेफरी के रूप में भी काम किया है। ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद मदुगले ने एक बयान में कहा, मेरे 200वें टेस्ट मैच में रेफरी बनना एक सम्मान और सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह एक बड़ी उपलब्धि है जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। हालांकि इसमें काफी समय लगा है। उन्होंने कहा, जबसे मैंने यह यात्रा शुरू की है, हर हिस्से का आनंद लिया है।

पाकिस्तान हॉकी टीम जूनियर विश्व कप में हिस्सा लेने भारत पहुंची

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक भुवनेश्वर में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भाग लेने के लिए शनिवार को यहां पहुंची। पाकिस्तान उच्चायोग ने यह जानकारी दी। यहां जारी बयान के मुताबिक पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी आफताब हसन खान ने हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। बयान के मुताबिक उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टीम के सदस्यों की अगवानी की। पाकिस्तानी हॉकी टीम की भारत यात्रा नई दिल्ली द्वारा करतारपुर साहिब गलियारे को फिर से खोलने के निर्णय के कुछ दिनों बाद हो रही है। पाकिस्तान उच्चायोग ने कहा, 'पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी आफताब हसन खान ने जूनियर हॉकी विश्व कप में भाग लेने के लिए भारत पहुंची पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया।' उच्चायोग प्रभारी ने हॉकी टीम के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी की और टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने हॉकी को पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बताते हुए उम्मीद जताई कि खिलाड़ी जज्बे और अपनी क्षमता के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।उच्चायोग ने बताया, 'मुख्य कोच, टीम प्रबंधन के सदस्यों और खिलाड़ियों ने यहां से भुवनेश्वर रवाने होने से पहले पाकिस्तान उच्चायोग के आतिथ्य की सराहना की। वे मैचों के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'

रॉस टेलर ने टेस्ट सीरीज को लेकर कहा- भारत में खेलना चुनौतीपूर्ण

कोलकाता।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रॉस टेलर का मानना है कि भारत से उसकी सरजमीं पर खेलना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है लेकिन उन्होंने आगामी टेस्ट श्रृंखला में मेजबान टीम के मुख्य ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन से निपटने की अपनी योजना के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया। भारत और शुरूआती विश्व टेस्ट चैम्पियन टीम न्यूजीलैंड दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरूआत कानपुर में 25 नवंबर से करेंगे। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के दूसरे चक्र का हिस्सा होगी। टेलर ने कहा कि निश्चित रूप से यह चुनौती होगी, पर इसके लिये तैयार हूं। मुझे लगता है कि भारत से उसकी सरजमीं पर खेलना या आस्ट्रेलिया से विदेशों में खेलने से ज्यादा मुश्किल चुनौती और कोई नहीं है। इस समय शायद टेस्ट क्रिकेट में ये दो सबसे बड़ी चुनौतिया हैं। लेकिन बतौर टीम हम इसके लिए तैयार हैं और हम जानते हैं कि हम 'अंडरडॉग' (छुपेरूस्तम) हैं लेकिन हम अच्छा प्रदर्शन करने के लिये तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब भी आप भारत से उसकी सरजमीं पर खेलते हो तो आप हमेशा ही 'अंडरडॉग% होते हो, भले ही दुनिया की नंबर एक टीम हो या नहीं हो। अनुभवी बल्लेबाज टेलर ने कहा कि अश्विन और अक्षर पटेल की भारतीय स्पिन जोड़ी से निपटना ही न्यूजीलैंड के लिये टेस्ट श्रृंखला में अहम चीज होगी। जब उनसे पूछा गया कि अश्विन की गेंदबाजी से निपटने के लिये उनके पास क्या योजना है तो उन्होंने कहा कि मैं यहां अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करना चाहता। मैं नहीं जानता कि भारत किन खिलाड़ियों को उतारने का फैसला करता है, अक्षर पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि वे तीन स्पिनर उतारेंगे या दो स्पिनर, निश्चित रूप से अश्विन इनमें से एक होंगे। वे काफी अच्छे गेंदबाज हैं, विशेषकर इन परिस्थितियों में, और श्रृंखला कैसे जाएगी, इसमें हम उन्हें किस तरह खेलते हैं, यह अहम भूमिका अदा करेगा। उन्होंने साथ ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण से भी सतर्क रहने की सलाह दी।

राहुल द्रविड़ का मुख्य कोच बनना, भारत के लिए फायदेमंद : श्रीधरन श्रीराम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग स्टाफ के सदस्य श्रीधरन श्रीराम ने राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच बनने पर खुशी जताई है। साथ ही, उनको लगता है कि द्रविड़ को भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया जाना देश के क्रिकेट के लिए सबसे अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि टीम को उनकी व्यवस्थित योजना और तैयारियों से बहुत फायदा होगा।श्रीराम, जो द्रविड़ के साथ खेल चुके हैं, उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जल्द विवाद से बाहर आ जाए तो यह टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा, जिसके कारण टिम पेन ने एशेज से तीन सप्ताह पहले कप्तान का पद छोड़ दिया था। चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज आठ दिसंबर से शुरू हो रही है। उन्होंने क्रिकेटनेक्स्ट डॉट कॉम को बताया, द्रविड़ को कोच नियुक्त किया जाना भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है। भारत के पास जो प्रतिभा है, उसके लिए राहुल जैसे व्यक्ति को ही कोच बनाया जाना चाहिए था। यह एक कठिन रास्ता है और वह इसके मूल्य बेहतर तरीके से जानते हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के बारे में भी तारीफ की और कहा, उनकी (द्रविड़ की) योजना और तैयारी बहुत व्यवस्थित होगी। उनकी योजनाओं में कोई कसर नहीं बचेगी। साथ ही वह सभी आयामों पर खरे उतरेंगे। 45 साल के श्रीराम ने कहा कि द्रविड़ का दिल भारत के लिए धड़कता है। उन्होंने आगे कहा, राहुल एक शांत और स्थिर माहौल लाने की कोशिश करेंगे, जिससे खेलने के लिए गर्व पैदा करेगा, क्योंकि वास्तव में उनका दिल भारत के लिए धकड़ता है। जिस तरह से उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया, वह टीम में इन मूल्यों को स्थापित करेगा। वह बहुत मेहनती हैं और टीम को मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। टी20 विश्व कप के सफल अभियान के बाद ऑस्ट्रेलिया की एशेज की तैयारियों की रणनीति बना रहे श्रीराम ने कहा कि विश्व कप में उनकी भूमिका से सभी वाकिफ थे, जिसने ऑस्ट्रेलिया को खिताब जीतने में मदद की।

कक्षा-१ से ५ की कक्षाएं आज से ऑफलाइन शुरू होगी

कोरोना बाद दो वर्ष से १ से ५ की कक्षाओं में ऑफलाइन पढ़ाई बंद था, सोमवार से शुरू होने से स्कूल सत्र में शुरू होगा

अहमदाबाद ।

सूरत में एक कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए पहुंचे शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने बड़ी घोषणा की है । गुजरात में १ से ५ की कक्षाएं कब से शुरू होगी इसकी आखिर में शिक्षा मंत्री द्वारा घोषणा की गई है । उन्होंने कहा कि, सोमवार से कक्षा १ से ५ की कक्षा की शुरूआत होगी । हालांकि उपस्थिति वैकल्पिक रखी गई है । कोरोनाकाल में पिछले दो वर्ष जितने समय से बंद रही प्राथमिक स्कूल के १ से ५ की कक्षाएं की ऑफलाइन कक्षाएं सोमवार से खुलेगी ऐसी घोषणा राज्य के शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने की थी । प्रेस कॉन्फरन्स में घोषणा करते हुए जीतू वाघाणी ने बताया है कि, कई समय से स्कूल के वर्ग बंद है । अब कोरोना अब कम होने पर सोमवार से खुलने पर दीवाली बाद के सत्र में कक्षा १ से ५ की कक्षा को शुरू किया जाएगा । जिसमें सभी स्कूलों को एसओपी का पालन करना होगा । बच्चों की उम्र कम होने से ज्यादा सावधानी रखनी पड़ेगी ।

इसके पहले राज्य सरकार की घोषणा के बाद राज्य की स्कूलों में कक्षा ६ से ८ की कक्षाएं २ सितंबर से शुरू किया गया था, जिसमें ५० फीसदी की संख्या के साथ कक्षाओं को शुरू करने के लिए मंजूरी दी गई है । इसके साथ ९ से १२ की कक्षा चलती है इसी अनुसार सामाजिक दूरी, अनिवार्य मास्क के नियम का पालन किया जा रहा है । स्कूलों द्वारा हेंड वॉश और सेनिटाइजर की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है । ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन शिक्षा भी चालू है । सरकार तरफ से सूचनाओं का सरकारी और निजी स्कूलों को पालन करना होगा ।

सुरत भूमि सूरत

आज लक्ष्मीकत पटेल को भीमपुर हनुमान मंदिर में मारुति युवा मंडल द्वारा और डुमस नानी बाजार में ग्रामीणों द्वारा अखिल भारती कोली समाज का दक्षिण क्षेत्र के प्रभारी गुजरात राज्य के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने पर सम्मानित किया गया। वहीं हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे हीराभाई पटेल, शैलेश भाई पटेल, धीरजभाई पटेल, मयूरभाई पटेल, अपान पटेल, अजीत भाई पटेल, दिनेश भाई पटेल, जयसभाई पटेल, कनुभाई पटेल, हितेश भाई पटेल, नागिन भाई पटेल, काना भाई पटेल, कैन्या भाई पटेल, शुना भाई भीमपुर में पटेल, गोविंद भाई पटेल, शनि पटेल, अमित पटेल, वैभव पटेल, अनूप पटेल, हिताश भाई मगन पटेल, राहुल पटेल, हदीनक पटेल, यतिन पटेल, नीलकमल पटेल, अजय पटेल, शतीलाल पटेल, विवान पटेल मौजूद थे। डुमस में किशोर भाई पटेल, अंकुर भाई पटेल, प्रतेश भाई पटेल, दीपक बामन, महेश दुमसिया, नरेंद्र भाई लकड़ावाला, प्रतेश भाई, रमेश भाई पटेल, रोशन खलासी, टिंकूभाई पटेल, इस तरह बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

कक्षा-१० में ग्रेसिंग के साथ ३५% मिला तो डिप्लोमा इंजीनियरिंग में प्रवेश नहीं मिलता था

बोर्ड के फॉर्म भरते समय विद्यार्थियों ने स्टान्डर्ड या बेजिक मेथ्स का विकल्प पसंद करना होगा

अहमदाबाद ।

शनिवार को गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा स्पष्टता की गई है कि, कक्षा-१० में बेजिक मेथ्स या स्टान्डर्ड गणित रखने वाले विद्यार्थी डिप्लोमा इंजीनियरिंग में प्रवेश ले सकते हैं । शिक्षा विभाग ने यह कहा है कि दिव्यांग विद्यार्थियों के मामले में जिन्होंने कक्षा-१० की परीक्षा एक या ज्यादा विषय में २० मार्क के साथ पास किया है उनको भी डिप्लोमा इंजीनियरिंग में प्रवेश दिया जाएगा । सूत्रों के बताये अनुसार, कई शिकायतें मिली थी कि, ऐसे उम्मीदवारों को कक्षा-११ में एडमिशन मिलता है लेकिन बोर्ड की परीक्षा में ३५% के साथ पास हो तो ही डिप्लोमा में प्रवेश मिल सकता है। जिसकी वजह से नियम में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद को डिप्लोमा प्रवेश के लिए ३५% निश्चित किया गया है । राज्य में ग्रेसिंग के साथ ३५% लाने वाले को एडमिशन (प्रवेश) नहीं दिया जाता था । इस मुद्दे पर संचालकों की लगातार पेशकश की वजह से सरकार ने ३५% और ग्रेसिंग वाले विद्यार्थियों को डिप्लोमा में एडमिशन लेने की मंजूरी दी है । सरकार ने शनिवार को इस मामले में आधिकारिक संकल्प पारित किया था । २०२२ में कक्षा-१० की परीक्षा देने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का प्रारंभ होना है। अब डिप्लोमा में एडमिशन लेने की योग्यता को लेकर गणित की पसंदगी करने के विकल्प मामले में दुविधा थी। महत्व का है कि, गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस वर्ष की शुरूआत में शैक्षणिक वर्ष २०२१-२२ के लिए कक्षा-१० में गणित विषय की दो अलग परीक्षा लेने की ब्लूप्रिंट जारी की थी। स्टान्डर्ड मेथ्स की परीक्षा में बोर्ड हाल की ब्लूप्रिंट के अनुसार प्रश्नपत्र निकालेगा। पहली परीक्षा बेजिक मेथ्स की होगी जबकि दूसरी स्टान्डर्ड मेथ्स की ली जाएगी। गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा-१० की २०२२ में ली जाने वाली परीक्षा का रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरते समय विद्यार्थियों को गणित की कौन-सी परीक्षा देनी है यह चुनना पड़ेगा। शिक्षा विभाग ने इस मुद्दे पर स्पष्टता की है कि बेजिक मेथ्स या स्टान्डर्ड मेथ्स दो में से जिसे भी पसंद करे वह डिप्लोमा इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने के लिए योग्य माना जाएगा।

मेरे और पाटिल के बीच कोई मतभेद नहीं : विजय रुपाणी

सूरत ।

राजकोट की राजनीति और विजय रुपाणी की नाराजगी की राजनीतिक चर्चा ने जोर पकड़ लिया है । पाटिल की राजकोट मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की शहर में अनुपस्थिति ने सबको चौंका दिया था । अब राजकोट पहुंचे विजय रुपाणी ने अपने और पाटिल के बीच कोई नाराजगी नहीं है ऐसी स्पष्टता की। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने आज सूरत में अलग अलग सामाजिक प्रसंग में उपस्थित हुए थे । मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद पहली बार सूरत आये थे। हाल जबकि राजकोट की गुटबाजी के मामले में मुलाकात पर सबकी नजर है तब पाटिल बाद विजय रुपाणी ने यह गुटबाजी पर खुलासा किया है । उन्होंने कहा है कि,मेरे और सीआर पाटिल के बीच कोई मतभेद नहीं है।

हमारे बीच नाराजगी नहीं है । हम साथी कार्यकर्ता के तौर पर साथ में काम करते है । प्रदेश के अध्यक्ष के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है । प्रदेश अध्यक्ष को मेरा पूरा सहयोग है। सीआर पाटिल के साथ मैं अच्छे तरीके से काम कर रहा हूं। गत दिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल राजकोट के दौरे पर थे । नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति के बाद पहली बार पाटिल राजकोट के दौरे पर थे तब यह मुलाकात में तीन दिग्गज नेता की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गया । यह मुलाकात में पूर्व सीएम विजय रुपाणी, वजुभाई वाला और नीतिन भारद्वाज की अनुपस्थिति दिखाई दी थी । यह गुटबाजी मामले में पाटिल ने खुलासा किया है कि राजकोट में कोई गुटबाजी नहीं है। राजकोट शहर भाजपा का संगठन मजबूत है । चुनौतियां आएगी तो यह सामना करने के लिए तैयार है। आगामी चुनाव को लेकर चुनौतियां है । आगामी चुनाव राजकोट शहर भाजपा प्रमुख कमलेश मीराणी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा । विजय रुपाणी हमारे स्टार प्रचारक है और रहेंगे। राजकोट के स्नेहमिलन कार्यक्रम के बाद सीआर पाटिल वजुभाई वाला को मिलने के लिए पहुंचे।

स्वच्छता सर्वे में छठे से १०वें क्रम पर अहमदाबाद आ गया

अहमदाबाद ।

पिछले तीन वर्ष में अहमदाबाद शहर स्वच्छ सर्वेक्षण की सूची में चार नंबर नीचे आ गया है । वर्ष २०१९ की बात करे तो अहमदाबाद शहर सूची में छठे स्थान पर था, जबकि वर्ष २०२१ में यह १०वें स्थान पर है । फिलहाल में किया गया २०२१ स्वच्छता सर्वेक्षण में गुजरात राज्य ने ९३१ पोइन्ट के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष २०१६ और २०१७ में अहमदाबाद शहर १४वें स्थान पर था । इसके बाद २०१८ में यह बारहवें स्थान पर था । स्वच्छता का मुद्दा अहमदाबाद शहर के लिए काफी महत्व का है क्योंकि वर्ष १९१७ और १९१९ के दौरान देश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने डॉक्टर हरिप्रसाद देसाई के साथ मिलकर शहर के कोट क्षेत्र में स्वच्छता अभियान की शुरूआत की थी। यह अभियान काफी लंबा समय चला था । गांधीजी जबकि दक्षिण आफ्रिका से वापस आये और अहमदाबाद में सत्याग्रह आश्रम की स्थापना के लिए पहुंचे तब यह अभियान का आयोजन किया गया था । गुजरात राज्य के अन्य शहरों और तहसीलों की बात करे तो महात्मा गांधी के जन्मस्थल पोरबंदर का यह सर्वे में आंकड़ा चिंताजनक है।

युनियन मिनिस्ट्री ऑफ अर्बन डेवलपमेंट द्वारा किया गया मूल्यांकन अनुसार, ६९५ जिलों में से पोरबंदर का नंबर १४६वां है। वर्ष २०१६ में यह नंबर १८७वां था । २०२० में पोरबंदर का क्रम १००वां था । राज्य के अर्बन डेवलपमेंट विभाग द्वारा पोरबंदर नगरपालिका और जिला विभाग को बापू के जन्मस्थल को स्वच्छ रखने के लिए सविस्तार योजना बनाने की सूचना दी है। अहमदाबाद शहर की बात करे तो म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक उच्च अधिकारी बताते है कि, यदि सर्वे के शहर की वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को देखते हुए हमारा रेंक आगे आ सकता था ।

मैंने जो छोड़ा है वह तो कुछ भी नहीं है, यह दीक्षार्थी जो छोड़ रहे हैं वह अद्भुत घटना है : विजयभाई रुपाणी

सूरत भूमि, सूरत - रविवार को सूरत में 75 दीक्षा महोत्सव के कार्यक्रम में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और जैन समाज के गौरवान्वित व्यक्ति श्रीविजयभाई रूपाणी ने सूरत का दौरा किया. अध्यात्म नगरी में पुस्तक वितरण के बाद दीक्षाओं की स्वीकृति देते हुए उन्होंने कहा कि मेरे पास जो कुछ बचा है वह कुछ भी नहीं है, ये दीक्षित जो छोड़ रहे हैं वह एक अद्भुत घटना है।

श्री शांतिकनक श्रमणोपसाक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार और सूरी रामचंद्र और सूरी शांतिचंद्र समुदाय सूरी भगवंतो द्वारा आयोजित, पूर्व मुख्यमंत्री विजयधर रविवार को आदि विशाल श्रमणी-श्रमणीवृन्द, निस्तारक निशरा, उपकारी महापुरुष के प्रताप और दीक्षाधर्म महानायक योगतिलक सूरीश्वरजी महाराज के तत्वावधान में वेसु बलार हाउस स्थित अध्यात्म नगरी में 75वें सामूहिक दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। ढोल और धनुष की ध्वनि से उनका स्वागत किया गया। उनके साथ शिक्षा मंत्री जीतूभाई वघानी और राज्य मंत्री विनुभाई मोर्डिया, विधायक कांतिभाई बलार और सूरत के पूर्वी दिवस भी थे। महापौर जैन नेता नीरवभाई शाह, केतनभाई मेहता और कई जैन नेता भी मौजूद थे। विजयभाई ने सबसे पहले भगवान को जिनालय में देखा था। बाद में प्रवचन मंडप में, श्री योगतिलक्षुरीश्वरजी, 3 दीक्षा के निर्माता महाराजा के दर्शन, आशीर्वाद और वासाक्षेप लिया। उसके बाद, उनके द्वारा एक हिंदी पुस्तक च्मुमुक्षुसिंहो की सात्विक कथाज का विमोचन किया गया। अपने उपदेश में, विजयभाई ने कहा कि सूरत एक जैन शहर है। सूरत ने हमेशा धर्म के लिए एक नई मंजिल बनाई है। 75 दीक्षा एक खुशी और ऐतिहासिक अवसर है।

दीक्षा कोई छोटी बात नहीं है, दुनिया छोड़ने की ताकत गुरु महाराज के आशीर्वाद से ही आती है। जैन दर्शन में त्याग बहुत महिमामय है। "मैंने जो पद छोड़ा है वह कुछ भी नहीं है," उन्होंने कहा। यह सब गौण है जो ये 75 दीक्षित छोड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि काई और बावा बन रहे हैं बल्कि यह बड़ी बात है कि अमीर लोग, युवा, डिग्रीधारी सब कुछ होते हुए भी जा रहे हैं। जो दीक्षा छोड़ रहे हैं वे महान हैं। इसलिए मैं इन दीक्षाओं को सलाम करता हूं। आज के युग में जब युवा दिशाहीन हो गया है, आत्मकल्याण के लिए दीक्षा लेना इस समय की एक बड़ी घटना है। सन्यास का अर्थ केवल परिवार या धन का त्याग करना ही नहीं है बल्कि अपने काम, क्रोध, लोभ, वासना को भीतर से त्याग देना भी है। भगवान महावीर की यह दीक्षा दीक्षाओं को प्रबुद्ध करेगी। विजयभाई ने भी उपधानताप के तपस्वियों से शांति की प्रार्थना कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में सभी दीक्षाएं अक्षत से उठीं। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री जीतूभाई वघानी ने जिन शासन की सराहना की और कहा कि इस अवसर पर हम यहां आए हैं और धन्य और धन्य हैं। उन्होंने देवताओं को देखने के अवसर के लिए दीक्षाओं और भिक्षुओं को भी धन्यवाद दिया। सभी अतिथियों ने अक्षत की ओर से सभी दीक्षा छात्रों को बधाई दी।

तथा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और आज आध्यात्मिक नगरी में लगभग 200 मंजिलों की चढ़ाई के अद्भुत वातावरण में बोली जाती थी. वहीं शाम को जिनालय में महापूजा व महाआरती की गई. अलौकिक दीक्षा उत्सव से बस अब केवल 3 दिन दूर है। पूरे भारत से श्रद्धालु सूरत का इंतजार कर रहे हैं।

बिल्डर ने महिला को प्रेमजाल में फंसाकर शारीरिक संबंध बनाया

सूरत ।

सूरत में फिर से एक बार बलात्कार की घटना सामने आई है । सूरत में रहती महिला को पुणागाम के बिल्डर ने प्रेमजाल में फंसाया है । खुद शादीशुदा होने पर भी लीव-इन में रहकर इसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया था । हालांकि बिल्डर शादीशुदा होने का प्रेमिका को खबर हो जाने पर बिल्डर ने प्रेमिका को मारकर छोड़ देने पर प्रेमिका यह मामले में बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई है । पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने बिल्डर आरोपी प्रेमी की गिरफ्तारी की है । महिला खुद घर में साड़ी वर्क का काम करके परिवार में १६ वर्ष का बेटा और १२ वर्ष की बेटी का भरण पोषण करती है । महिला तीन वर्ष पहले बिल्डर संजय की बगल की सोसाइटी में किराये से रहती थी । तब संजय खुद सोसाइटी का प्रमुख होने से अक्सर घर आकर दोस्ती की थी । इसके बाद खुद शादीशुदा नहीं होने का बताकर प्रेमजाल में फंसाकर शादी करने की लालच देकर अक्सर घर पर अपने दोस्त के फार्म हाउस में तथा डुमस की होटल में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाया था । महिला पुणागाम से घर खाली करके सणीया हेमाद में फ्लैट में रहने के लिए गई थी । तब फ्लैट में दोनों लोग पति-पत्नी के जैसे पूजा के हवन में बैठे थे । इसके अलावा सभी प्रसंग में पति-पत्नी के जैसे साथ में रहे थे । इस दौरान संजय की पत्नी को पति के अफेयर की जानकारी मिल गई थी। दूसरी तरफ विवाहिता को खबर हो गई कि संजय शादीशुदा है और यह भी दो संतान का पिता है। अब संजय ने अपने बचाव में पत्नी अच्छी नहीं लगती है तलाक दे देना है यह कहकर लीव इन रिलेशन का करार बनाया था। इतना ही नहीं शादीशुदा होने का छिपाने वाला बिल्डर ने महिला के साथ लीव इन रिलेशन के करार भी बनाये जाने का आरोप लगाया गया है । महिला के साथ अक्सर फार्म हाउस तथा होटलों में जाकर शारीरिक संबंध बनाता था। बिल्डर शादीशुदा होने का पर्दाफाश होने पर अब अक्सर प्रेमी के साथ झगड़ा करती थी।

सिंघम के अंधविश्वास में घूम रहे कॉन्स्टेबल ने की गुंडागर्दी

अहमदाबाद ।

एक तरफ पुलिस की छवि सुधारने के लिए पुलिस कई प्रयास कर रही है । ऐसे में अहमदाबाद में पुलिस की छवि कलंकित हो ऐसी घटना सामने आई है । जिसमें चाइनीज की लारी पर बैठा युवक और इसका दोस्त अश्लील गाली बोल रहे थे। जिसकी वजह से लारी वाले ने गाली नहीं बोलने का कहने पर दोनों लोग लारी वाले पर टूट पडे और तोड़फोड़ की थी । ऐसे में एक कॉन्स्टेबल आ गया और उसने भी धमकी दी मारपीट करके और तोड़फोड़ की थी । पूरे मामले में पुलिस कॉन्स्टेबल और इसके दोस्त के खिलाफ अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। शाहीबाग में रहते रणजीतसिंह चौहाण कांकरिया के पास चाइनीज और फास्ट फूड की लारी लगाकर धंधा करता है । सुभाष और इसके साथ एक व्यक्ति लारी पर आया था । सुभाष ने मन्चुरियन राइस बनाने का ऑर्डर देने पर कारीगर ने यह ऑर्डर के अनुसार खाने का बनाकर देकर सुभाष को दिया और दोनों टेबल पर बैठे थे। दोनों टेबल पर बैठकर अश्लील गाली बोलकर बात करते थे। लारी वाला ने सुभाष को गाली देने से मना करने पर वह गुस्से में आ गया और पट्टे से पीटा था । इसके साथ रहा शख्स ने भी बवाल करके और भाई रवी को बुलाया था । रवी इसनपुर पुलिस स्टेशन में कॉन्स्टेबल के तौर पर ड्यूटी करता है और इसके साथ अन्य किसी को लेकर आया लारी में तवा उल्टा करके कुर्सी टेबल जमीन पर पछाडकर नुकसान करके लारी वाले को पीटा था । कॉन्स्टेबल रवी ने धमकी दी कि अब यहां लारी लगायेगा तो फिर से मारूंगा । ऐसे में किसी कारीगर ने पुलिस को जानकारी देने पर पुलिस आ गई और लोगों की भीड़ इकट्ठा हो जाने पर कॉन्स्टेबल सहित के आरोपी भाग गये थे । यह मामले में के डीविजन एसीपी मिलाप पटेल ने बताया कि देर रात को इसनपुर के कॉन्स्टेबल और इसके दोस्तों ने बवाल करके मारपीट की थी । इस मामले में कागडापीठ में शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)